मुंबई, ठाणे, नवी मुंबई, पनवेल, रायगड़, उल्हासनगर, कल्याण एवं अंबरनाथ का
लोकप्रिय हिंदी दैनिक

उल्हास विकास

वर्ष : 44 ■ अंक : 84 ■ रविवार 7 जून 2026 ■ 3 रुपए ■ पृष्ठ 4

संपादक - हीरो अशोक बोधा BMM, L.LB., M.A.

Mobile.:- 9822045566

@ulhasvikas ulhasvikas@gmail.com

epaper.ulhasvikas.com

पृष्ठ.. 4 पर पढ़ें..

आमिर खान 5 जुलाई को गौरी से करेंगे शादी

उल्हासनगर में अनधिकृत निर्माण को रेगुलर करने का रास्ता साफ़

- राजस्व मंत्रालय से लोगों को मिलेगा मालिकाना हक;
- लैंड चार्टर, रेडी रेकनर पर अहम फ़ैसला

उल्हासनगर. उल्हासनगर शहर में कई सालों से अटका अनिधिकृत निर्माणों को रेगुलर करने का मामला, राजस्व मंत्रालय के फ़ैसले की वजह से जल्द ही सुलझने के आसार दिख रहे हैं। शहर के अतिक्रमण को रेगुलर करने और लोगों को मालिकाना हक देने का अहम फ़ैसला लिया गया है।

राजस्व मंत्री चंद्रशेखर बावनकुले की अध्यक्षता में मिनिस्ट्री के कैबिनेट रूम में एक खास मीटिंग हुई। इस मीटिंग में उल्हासनगर शहर में अतिक्रमण को रेगुलर करने, लैंड चार्टर मिलने में देरी और इसके ख़िलाफ़ उठाए जाने वाले कदमों पर डिटेल में चर्चा हुई। मीटिंग में लिए गए अहम फ़ैसलों के मुताबिक, 1 जनवरी 2011 से पहले की सभी तरह की अतिक्रमण वाली प्रॉपर्टी, जिसमें झुग्गी-झोपड़ी, ब्लॉक प्लॉट, U नंबर, E नंबर और चलता नंबर शामिल हैं, को रेगुलर किया जाएगा।

इसके लिए नागरिकों को डी सर्टिफिकेट प्राप्त करने की आवश्यकता नहीं होगी और संबंधित जमीन को रेडी रेकनर दर का केवल 5 प्रतिशत भुगतान करके नियमित किया जाएगा। अतिक्रमणों के नियमितीकरण की प्रक्रिया को शीघ्रता से पूरा करने के लिए एक विशेष टीम का गठन किया जाएगा और यह कार्रवाई एक अभियान के रूप में लागू की जाएगी।

स्वामित्व का आधिकारिक संपत्ति कार्ड मिलेगा

भूमि अधिकार पत्र प्राप्त करने के बाद, मालिकों को संबंधित संपत्ति का एक संपत्ति कार्ड मिलेगा, जिसके माध्यम से स्वामित्व का आधिकारिक प्रमाण उपलब्ध होगा। साथ ही, भूमि अधिकार पत्र प्राप्त करने के बाद, भूमि पर भवन के संबंध में डी-फॉर्म प्राप्त करने या भवन के जीर्ण-शीर्ण होने पर नया निर्माण परमिट प्राप्त करने की सुविधा उपलब्ध होगी। यह निर्णय उल्हासनगर शहर के लाखों नागरिकों को अपनी संपत्ति का कानूनी स्वामित्व प्राप्त करने का मार्ग प्रशस्त करेगा और कई वर्षों से लंबित इस मुद्दे को राहत देगा।

बैठक में राजस्व विभाग की संयुक्त सचिव मनीषा जायभाये, स्टाम्प विभाग के संयुक्त सचिव इंगले, कोंकण डिविजनल कमिश्नर रूबल अग्रवाल, डिस्ट्रिक्ट कलेक्टर श्रीकृष्ण पांचाल, उल्हासनगर म्युनिसिपल कॉर्पोरेशन कमिश्नर मनीषा आव्हाले, सब-डिविजनल ऑफिसर विजयानंद शर्मा, टाउन प्लानर विकास बिरारी, सर्वे ऑफिसर राजेंद्र लोंढे और अलग-अलग डिपार्टमेंट के सीनियर ऑफिसर मौजूद थे।

अंबरनाथ में मौत का सौदागर गिरफ्तार

- 8,54700 रुपयों का गर्द (हेरोइन) व अन्य मादक पदार्थ जब्त

अंबरनाथ. अंबरनाथ में लाखों रुपयों की गर्द (हेरोइन) व नशे की गोलियां, सूंघ कर नशा करने वाले सॉल्यूशन बेचने वाला मौत के व्यापारी शरीफ सलीम शेख (34) को अंबरनाथ पुलिस ने शहर पश्चिम के गांधी नगर से गिरफ्तार किया है.

पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार शुक्रवार शाम 6 बजे भगत सिंह, सिद्धार्थ नगर मस्जिद के पास गली में शरीफ के पास से उपरोक्त नशे की सामग्री जब्त की गई है. जिसमें 8 लाख 54 हजार 700 रुपयों का 24.420 ग्राम तपकीरी रंग का गरदा, हेरोइन पाउडर, ये पाउडर छोटी कागज की पुड़ियों में बाधकर बेचने के लिए रखे गए 63.30 ग्राम कागड के टुकड़े, नेट्राजिम कंपनी की 500 टैब्लेट, 10 स्ट्रीप एक स्ट्रीप में 50 टैब्लेट, 155 सॉल्यूशन थिनर की बोतल, 100 रुपए प्रति बोतल के हिसाब से 15,500 रुपओं की नशे में इस्तेमाल की जाने वाली बोतलें, इस थिनर को 6 से 10 वर्ष के बच्चों को बेचकर उनको नशे का आदी बनाया जाता था. बच्चे इस थिनर को रूमाल या कपड़े पर डालकर उसे सूंघ कर नशा करते हैं. ये मौत के व्यापारी खुलेआम ये बोतले बच्चों में बेच रहे थे. 17750 रुपयों का मादक पदार्थ भी पुलिस ने शरीफ के पास से जब्त किया है. पुलिस ने एनडीपीएस एक्ट 1985 के कलम 8 (क) 21 (ब) के अनुसार अपराध दर्ज किया है.

विदित हो कि इससे पूर्व भी सिद्धार्थ नगर, गांधी नगर से लाखों रुपयों का गांजा जब्त किया गया था. ये मौत के व्यापारी खुलेआम ये धंधा इसलिए भी करते हैं कि उनको कड़ी से कड़ी सजा नहीं होती. जेल से छूट कर आने के बाद फिर से ये मौत का व्यापार शुरू कर देते हैं. सरकार को इसके लिए सख्त कानून बनाने की जरूरत है.

ट्रक से 1.89 करोड़ की शराब जब्त

ठाणे. महाराष्ट्र के ठाणे जिले में आबकारी विभाग ने पनवेल-मुंब्रा राजमार्ग पर एक ट्रक से 1.89 करोड़ रुपये मूल्य की भारतीय निर्मित विदेशी शराब की 73,440 बोतलें जब्त की हैं। एक अधिकारी ने शुक्रवार को यह जानकारी दी। राज्य आबकारी विभाग के कोंकण संभाग के उपायुक्त प्रदीप पवार ने बताया कि एक गुप्त सूचना के आधार पर यह कार्रवाई की गई।

पवार ने बताया कि ट्रक चालक ने दावा किया था कि वाहन में वाहनों के पुर्जे (ऑटोमोबाइल पार्ट्स) लदे हैं, लेकिन तलाशी लेने पर उसमें से गोवा निर्मित व्हिस्की की 73,440 बोतलें बरामद हुईं। इन बोतलों पर कोई बैच नंबर या अधिकतम खुदरा मूल्य (एमआरपी) अंकित नहीं था और महाराष्ट्र में इनकी बिक्री पर प्रतिबंध है।

कोबरा सांप के डसने से बच्चे की मौत

- शिव मंदिर परिसर की घटना
- परिवार में मातम
- रिश्तेदारों का सेंट्रल हॉस्पिटल में हंगामा

अंबरनाथ. अंबरनाथ के शिव मंदिर इलाके में रहने वाले एक परिवार पर दुखों का पहाड़ टूट पड़ा है। घर में घुसे एक कोबरा सांप ने मोबाइल फोन देख रहे 3 साल के बच्चे सुलतान शेख को डस लिया। सांप के काटने के बाद बच्चे को तुरंत इलाज के लिए उल्हासनगर के

सेंट्रल हॉस्पिटल में भर्ती कराया गया। हालांकि, मृतक के माता-पिता ने गंभीर आरोप लगाया है कि डॉक्टरों ने समय पर और सही इलाज नहीं किया, जिससे उनके बच्चे की मौत हो गई।

सुलतान शेख की मौत के बाद गुस्साए रिश्तेदारों ने हॉस्पिटल इलाके में जमकर हंगामा किया। इस दौरान, सांप को भी सबूत के लिए हॉस्पिटल लाया गया। जब वे सांप को लेकर हॉस्पिटल में घुसने की कोशिश कर रहे थे, तो पुलिस ने बीच-बचाव किया। इस वजह से परिवार और पुलिस के बीच कहासुनी हो गई और कुछ देर के लिए तनाव का माहौल बन गया। घटना की जानकारी मिलते ही पुलिस मौके पर पहुंची और हालात को काबू में किया।

दूसरी ओर, उल्हासनगर डिस्ट्रिक्ट सर्जन मनोहर बनसोड़े ने इन सभी आरोपों से इनकार किया है। जब बच्चे को हॉस्पिटल लाया गया, तो उसकी हालत गंभीर थी। डॉक्टरों ने उसे बचाने की कोशिश की, लेकिन वे कामयाब नहीं हुए। इससे पहले भी उल्हासनगर के सेंट्रल हॉस्पिटल में इलाज की कमी से नवजात बच्चों की मौत और तोड़फोड़ की घटनाएं हो चुकी हैं। इस बीच, बच्चे की मौत की असली वजह और इलाज में कोई लापरवाही तो नहीं हुई, इसकी जांच शुरू कर दी गई है। इस घटना से इलाके में हंगामा मच गया है, और हॉस्पिटल एडमिनिस्ट्रेशन की भूमिका पर फिर एक बार सवालिया निशान लग रहा

कल्याण में नाबालिग कर रहा नाला सफाई

- KDMC की लापरवाही उजागर
- सफाई कर्मचारियों की सुरक्षा अनदेखी

कल्याण. कल्याण ईस्ट में एक नाबालिग का नाला साफ करते हुए वीडियो सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है। KDMC के उपमहापौर राहुल दामले ने इस घटना पर ध्यान दिया है, जिसमें सफाई कर्मचारियों को नाला साफ करते समय सेफ्टी इक्विपमेंट नहीं दिए गए थे।

उन्होंने बताया है कि इस मामले में पैसे बचाने के लिए कॉन्ट्रैक्टर के खिलाफ ठोस और सख्त एक्शन लिया जाएगा। यह घटना KDMC अधिकारियों के काम पर सवाल उठाती है। क्या अधिकारी नाले की सफाई के काम पर ध्यान दे रहे हैं? नाले की सफाई कैसे होती है? साथ ही, यह देखना KDMC अधिकारियों का काम है कि यह काम कौन करता है।

मोहोने में हुई फायरिंग की हैरान कर देने वाली सच्चाई

आरोपी ने खुद को मारी गोली

खडकपाडा पुलिस कर रही मामले की जांच

कल्याण. कल्याण के अटाली स्थित पाटीलनगर में व्हाट्सएप स्टेटस को लेकर हुए विवाद में शुक्रवार रात गोलीबारी की घटना सामने आई। इस फायरिंग में एक युवक घायल हुआ है। खडकपाडा पुलिस ने घायल सहित तीन आरोपियों को हिरासत में लेकर जांच शुरू कर दी है।मोहने परिसर के अभिषेक पवार उर्फ अवि और गौरव सालुंखे के गुट के बीच पुराना विवाद चल रहा है। 26 मई को भी दोनों गुटों में कहासुनी हुई थी।

पाटीलनगर निवासी मोनू फुलोरे ने गौरव सालुंखे के साथ अपनी फोटो व्हाट्सएप स्टेटस पर लगा दी। इसे देखकर अभिषेक पवार उर्फ अवि नाराज हो गया। शुक्रवार रात करीब 10 बजे

अभिषेक अपने 10-12 साथियों के साथ मोनू को ढूंढने पाटीलनगर पहुंचा। भीड़ देखकर मोनू और उसका भाई मौके से भाग निकले। आरोप है कि अभिषेक ने मोनू पर दो राउंड फायरिंग की, लेकिन वह बाल-बाल बच गया।

खुद को मारी गोली, उलझी गुत्थी-

घटना के बाद अभिषेक ने खुद के हाथ पर गोली मार ली। शुरुआती जांच में मोनू फुलोरे पर गोली चलाने का आरोप लगाया गया, लेकिन पुलिस की तफ्तीश में सच्चाई सामने आई। इस मामले में कल्याण के एसीपी अशोक होनमाने ने बताया कि सोहेल तांबोली और विजय भुतकर को गिरफ्तार किया गया है। साथ ही घायल अभिषेक उर्फ अवि का अस्पताल में इलाज चल रहा है और उसे भी पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। खडकपाडा पुलिस मामले की विस्तृत जांच कर रही है।

फेरीवालों पर कार्रवाई से शहर में आया बदलाव

- मुख्याधिकारी की कोशिशें कामयाब

अंबरनाथ. अंबरनाथ नगर परिषद द्वारा गत एक माह से रोजाना शहर पूर्व और पश्चिम में अतिक्रमण विरोधी विभाग द्वारा कार्रवाई किए जाने से अवैध फेरीवालों में हड़कम्प मच गया है. मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ के आदेश पर अधिकारी नरेंद्र संखे, गावित और उनके स्टाफ द्वारा शहर पूर्व में छत्रपति शिवाजी महाराज चौक, पश्चिम में स्टेशन रोड, छाया अस्पताल रोड पर अवैध फेरीवालों, हाथगाड़ी वालों पर कार्रवाई करते हुए हाथगाड़ियां. ठेले जब्त किए गए हैं. जिसके कारण अब शहर पूर्व और पश्चिम में राहगीरों, स्कूली बच्चों, महिलाओं, वृद्धों को चलना फिरना आसान हो गया है. रोड और चौक खुले नजर आ रहे हैं. अब कुछ परिवर्तन दिखाई दे रहा है. ऐसी कार्रवाई पहले भी होती थी, लेकिन दो दिन बाद फेरीवाले फिर से सड़क पर कब्जा जमा लेते थे. लेकिन अब ऐसा नहीं है. अतिक्रमण विरोधी पथ के कर्मचारी, सुरक्षा रक्षक रोजाना उपरोक्त परिसर में दौरा करके हाथ में लोहे की घन, लोहे की पार, तोड़ फोड़ का सामान लेकर पूरे ग्रुप की शक्ल में ये लोग निकलते हैं और कार्रवाई करने से अब 90 प्रतिशत तक फेरीवालों ने बैठना बंद कर दिया है. जिसके कारण अब यहां पर ट्रैफिक जाम की समस्या भी खत्म हो गई है. गत दिनों शिवाजी नगर पुलिस ने अतिक्रमण विभाग के एक कर्मचारी के साथ धक्का मुक्की करने पर फेरीवाले पर अपराध भी दर्ज किया है. फेरीवालों का समर्थन करने वाली लेबर फ्रंट ने हाकर्स जोन बनाने की मांग की है. अगर मुख्याधिकारी उमाकांत गायकवाड़ ने ऐसी सख्त कार्रवाई को जारी रखा तो शहर से अवैध फेरीवालों का सफाया हो सकता है.

अंबरनाथ GIP डैम परिसर में मॉकड्रिल

- बाढ़ से निपटने के लिए ट्रेनिंग
- डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी द्वारा आयोजित
- मॉनसून सीजन के उपाय योजना

अंबरनाथ. ठाणे डिस्ट्रिक्ट डिज़ास्टर मैनेजमेंट अथॉरिटी के गाइडेंस में अंबरनाथ के GIP डैम परिसर में नेचुरल डिज़ास्टर मैनेजमेंट पर एक मॉक ड्रिल (कलरफुल ट्रेनिंग) की गई। आने वाले मॉनसून सीजन को देखते हुए बाढ़ और नेचुरल डिज़ास्टर से निपटने के लिए यह कलरफुल ट्रेनिंग 5 जून को ऑर्गनाइज़ की गई थी। नेचुरल डिज़ास्टर या बाढ़ की स्थिति में इमरजेंसी सिस्टम का तुरंत चालू होना ज़रूरी है। इसलिए, नपा प्रशासन, फायर डिपार्टमेंट, पुलिस डिपार्टमेंट, रेवेन्यू डिपार्टमेंट और रेलवे एडमिनिस्ट्रेशन को तैयार करने के लिए यह मॉक ड्रिल ऑर्गनाइज़ की गई थी। फायर डिपार्टमेंट ने नेचुरल डिज़ास्टर की स्थिति में तुरंत कैसे रिस्पॉन्ड करें, बाढ़ पीड़ितों को सुरक्षित जगह पर कैसे पहुंचाएं और नावों की मदद से बचाव का काम कैसे करें, इसका डेमोंस्ट्रेशन पेश किया।

'एक पेड़ पर्यावरण के लिए, एक कदम उज्ज्वल भविष्य के लिए' का संदेश

अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस पर उल्हासनगर में व्यापक वृक्षारोपण

उल्हासनगर. अंतरराष्ट्रीय पर्यावरण दिवस (5 जून) के अवसर पर उल्हासनगर महानगरपालिका के उद्यान विभाग, पर्यावरण विभाग एवं वृक्ष प्राधिकरण समिति ने शहर के विभिन्न उद्यानों और सार्वजनिक स्थलों पर वृक्षारोपण कार्यक्रम आयोजित किया। कार्यक्रम का आयोजन महानगरपालिका मुख्यालय, साधु वासवानी उद्यान (गोल मैदान), राजीव गांधी उद्यान (सपना गार्डन) सहित अन्य उद्यानों में किया गया।

कार्यक्रम का उद्देश्य पर्यावरण संरक्षण के प्रति जनजागृति बढ़ाना तथा अधिक से अधिक पेड़ लगाने को प्रोत्साहित करना बताया गया। इस अवसर पर भारतीय जनता पार्टी उल्हासनगर के जिलाध्यक्ष राजेश वधारिया, शिवसेना पक्ष से वृक्ष प्राधिकरण समिति की सदस्य

कविता मनोज लासी के साथ-साथ उल्हासनगर महानगरपालिका के पर्यावरण व उद्यान विभाग के अधिकारी व कर्मचारी उपस्थित रहे। सभी उपस्थित जनों ने मिलकर विभिन्न स्थानों पर पौधे रोपे और नागरिकों से अधिक से अधिक वृक्ष लगाने तथा उनके संरक्षण का आह्वान किया।

कार्यक्रम में उपस्थित वक्ताओं ने कहा कि हर पेड़ न केवल शुद्ध हवा और छाया देता है, बल्कि शहर की जल-नमी और जैव विविधता के संरक्षण में भी महत्वपूर्ण योगदान देता है। 'एक पेड़ पर्यावरण के लिए, एक कदम उज्ज्वल भविष्य के लिए' के संदेश के साथ कार्यक्रम सफलतापूर्वक संपन्न हुआ।

महापालिका ने नागरिकों से अपील की है कि वे नगर में लगाए गए पौधों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और पर्यावरण संरक्षण संबंधी गतिविधियों में सक्रिय भागीदारी निभाएं।

विट्ठलवाड़ी-प्रेम ऑटो उड़ान पुल को 'तथागत गौतम बुद्धभूमि मार्ग' नाम देने की मांग

कल्याण. विट्ठलवाड़ी से प्रेम ऑटो के बीच बन रहे नए उड़ान पुल को 'तथागत गौतम बुद्धभूमि मार्ग' नाम देने की मांग उठी है। राष्ट्रीय चर्मकार महासंघ ने इस संबंध में केडीएमसी महापौर और आयुक्त को पत्र भेजकर औपचारिक प्रस्ताव पर विचार करने की अपील की है। महासंघ की ओर से ठाणे जिला अध्यक्ष राम बनसोडे ने यह पत्र सौंपा है। इसमें कहा गया है कि यह उड़ान पुल एमएमआरडीए और केडीएमसी की संयुक्त परियोजना है, जो कल्याण पूर्व और पश्चिम को जोड़कर यातायात जाम की समस्या को कम करने में अहम भूमिका निभाएगा। पत्र में यह भी उल्लेख किया गया है कि पुल के पास वालधुनी क्षेत्र में स्थित 'बुद्धभूमि फाउंडेशन' के कारण यह इलाका पहले से ही तथागत गौतम बुद्ध के शांति, करुणा और समानता के संदेश से जुड़ा हुआ है।

कल्याण के पास ईरानी गैंग का आतंक?

- अटाली में देवदर्शन से लौट रहे भक्तों की बस पर पथराव

कल्याण. कल्याण के अटाली गांव में देवदर्शन से राज्य के अलग-अलग हिस्सों में घूमकर लौट रहे भक्तों की बस पर 10 ईरानी पुरुषों और महिलाओं के एक ग्रुप ने हमला कर दिया और बस पर पथराव किया, जिससे भक्त गंभीर रूप से घायल हो गए। एक युवक गंभीर रूप से घायल हो गया और उसका एक प्राइवेट हॉस्पिटल में इलाज चल रहा है। ईरानी बस्ती कल्याण में अपराधियों का अड्डा मानी जाती है।

खड़कपाड़ा पुलिस स्टेशन में ईरानी बस्ती के एक युवक मुंढा और 10 अन्य ईरानी महिलाओं और पुरुषों के खिलाफ केस दर्ज किया गया है। अटाली गांव की रंजना राजेश पाटिल ने इस हमले की शिकायत दर्ज कराई है। रंजना पाटिल ने पुलिस स्टेशन में अपनी शिकायत में कहा है, पिछले हफ्ते हम देवदर्शन के लिए राज्य के अलग-अलग हिस्सों में गए थे। इस देवदर्शन यात्रा में अटाली और वडवली इलाकों के 40 भक्त शामिल हुए थे। दो दिन पहले, हम भगवान के दर्शन करके प्राइवेट बस से अटाली गांव लौट रहे थे। बस

वडवली से अटाली गांव जा रही थी। इसी समय, सामने से मुंढा नाम का एक ईरानी युवक बाइक पर आया। उसने बस के सामने ज़ोर से कट मारा। बस ड्राइवर सावधान था, नहीं तो बस सड़क के किनारे गिर जाती। इस बाइक सवार ने आगे जाकर अपनी बाइक बस के सामने खड़ी कर दी और बस ड्राइवर से कहने लगा कि नीचे उतरकर तुम्हें देखता हूं. धमकाने लगा. बाइक सवार ने बस ड्राइवर को गाली देना शुरू कर दिया। इसलिए, बस में बैठा मेरा बेटा दुर्गेश पाटिल बस से उतर गया। उसने पूछा कि तुम बस ड्राइवर और बस में बैठे लोगों को गाली क्यों दे रहे हो। तभी बाइक सवार मुंढा ने ईरानी युवक दुर्वेश को गाली देना और पीटना शुरू कर दिया। इसी समय, बस में बैठे सभी भक्त उतर गए और उस युवक को रोकने लगे।

इस समय, ईरानी बस्ती से 10 ईरानी महिलाएं और पुरुष बस की ओर दौड़े। उन्होंने भक्तों के साथ गाली-गलौज की और भक्तों और बस पर पत्थर फेंके। इस पत्थरबाजी में एक पत्थर दुर्वेश पाटिल के सिर पर लगा। वह बुरी तरह लहूलुहान हो गया। इसके अलावा कविता पाटिल और सुवर्णा पाटिल भी पत्थर लगने से घायल हो गईं। दुर्वेश को तुरंत महानगर पालिका के रुक्मिणीबाई अस्पताल में भर्ती कराया गया।

चोटें गंभीर होने के कारण उसे तुरंत एक प्राइवेट अस्पताल में ले जाया गया। खड़कपाड़ा पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है और अंबिवली और अटाली इलाकों के CCTV फुटेज चेक करके पत्थर फेंकने वाले ईरानी लोगों की तलाश कर रही है।

डबल मर्डर केस में नया मोड़

दीपक ठाकुर समेत मृतक अनिल-अमन चौहान के खिलाफ भी केस दर्ज

उल्हासनगर. 21 मई को अजय राव अपने दोस्त के साथ कैलास कॉलोनी इलाके में दीपक ठाकुर के ऑफिस के सामने सड़क पर मोटरसाइकिल चला रहा था, तभी किशोर चौहान, बंटी और आशु ने अजय को नीचे खींच लिया और पीटना शुरू कर दिया। कुछ ही देर में दीपक ठाकुर अपने 10 से 15 साथियों के साथ मौके पर पहुंच गया। उसने अजय राव को बुरी तरह पीटा। यह भी आरोप है कि इस दौरान किशोर चौहान ने उसका गला घोंटकर मारने की कोशिश की। इस घटना के कुछ ही मिनट बाद कैलास कॉलोनी में फायरिंग हुई। इस फायरिंग में दो भाइयों की मौत हो गई, जबकि एक व्यक्ति गंभीर रूप से घायल हो गया।

खास बात यह है कि इस केस में एक नया मोड़ तब आया जब फायरिंग में मारे गए अनिल चौहान और अमन चौहान दोनों को इस जुर्म में आरोपी बनाया गया. 15 दिन बाद पुलिस ने किशोर चौहान, दीपक ठाकुर, अनिल चौहान, अमन चौहान, अभय चौहान, बंटी, आशु, बाबू और उनके 10 से 15 साथियों के खिलाफ अलग-अलग धाराओं में केस दर्ज किया है और इस केस ने कैलाश कॉलोनी डबल मर्डर केस की मिस्ट्री को और बढ़ा दिया है।

एक गंभीर आरोप यह लगा है कि फायरिंग से कुछ मिनट पहले ही एक युवक को सड़क पर रोककर बेरहमी से पीटा गया और मारे गए दोनों भाइयों के साथ-साथ शिकायत करने वाले दीपक ठाकुर का नाम भी इस केस में आरोपी के तौर पर सामने आया है, जिससे पूरा केस और भी मिस्टीरियस हो गया है। इस बात की जांच करना कि मारपीट और उसके बाद हुई खूनी गोलीबारी के बीच कोई कनेक्शन है या नहीं, अब पुलिस के लिए एक बड़ी चुनौती बन गया है।

जैसे पके हुए फलों को गिरने के सिवा कोई भय नहीं वैसे ही पैदा हुए मनुष्य को मृत्यु के सिवा कोई भय नहीं. – वाल्मीकि

उल्हास विकास

संपादकीय

मौत के बाद जांच, जांच के बाद खामोशी

किसी भी हादसे का सबसे जरूरी सबक यह होना चाहिए कि भविष्य में ऐसे इंतजाम किए जाएं, ताकि वैसी घटना दोबारा न हो। मगर ऐसा लगता है कि आए दिन इमारतों में आग लगने और उसमें लोगों की जान जाने की घटनाओं से कोई सबक नहीं लेने की लापरवाही एक सामान्य चलन बन चुकी है।

राजधानी दिल्ली में एक इमारत में आग लगने की वजह से इक्कीस लोगों की जान चली गई। उसके अगले ही दिन बिहार के मुजफ्फरपुर में एक निजी अस्पताल के सघन चिकित्सा कक्ष (आईसीयू) में गुरुवार को भीषण आग लग गई, जिसमें पांच लोगों के मरने की खबर आई। इस घटना ने एक बार फिर स्वास्थ्य सेवाओं में व्यवस्थागत कमियों की कलई खोल दी है।

आमतौर पर किसी भी अस्पताल में मरीज इस उम्मीद में इलाज कराने जाते हैं, ताकि उनकी जिंदगी बच सके। मगर जब वहां अति सुरक्षित माने जाने वाले कक्ष में ही उनकी जान पर बन आए, तो इसके लिए कौन जिम्मेदार है? अस्पतालों में सुरक्षा नियमों की जिस तरह अनदेखी हो रही है, उससे स्पष्ट है कि चिकित्सा एक ऐसे व्यवसाय का रूप ले चुकी है, जहां शायद जिंदगी की कोई कीमत नहीं।

पिछले कुछ वर्षों में अस्पतालों में आग लगने की घटनाओं के दौरान अग्नि सुरक्षा मानकों में बार-बार गंभीर खामियां पाई गई हैं। बिहार में स्वास्थ्य सेवाओं की स्थिति किसी से छिपी नहीं है। मुजफ्फरपुर में हुए हादसे ने साफ कर दिया है कि अस्पताल में किस हद तक घोर लापरवाही बरती जा रही थी।

मामले की जांच के लिए वरिष्ठ अधिकारियों का पांच सदस्यीय दल बनाया गया है। अब जांच की रिपोर्ट कब आएगी, उस पर क्या कार्रवाई होगी, यह आम लोगों को शायद ही पता चले। मगर इस घटना में मारे गए मरीज कभी घर नहीं लौटेंगे।

बेहतर होता कि स्वास्थ्य विभाग संबंधित अस्पताल से तत्काल जवाब-तलब करता कि मरीजों की सुरक्षा के लिए आपातकालीन निकास की व्यवस्था के साथ अग्निरोधक उपाय उसने पहले क्यों नहीं किए। हैरत की बात है कि अस्पताल परिसरों में शॉर्ट सर्किट जैसी समस्या से निपटने को लेकर एहतियात बरतना और बुनियादी इंतजाम करना जरूरी नहीं समझा जाता है। जांच और राहत के आश्वासनों से इतर सवाल यह है कि इस तरह की व्यापक लापरवाही के लिए प्रशासन की अनदेखी की जवाबदेही कब तय की जाएगी!

विमर्श

पर्यावरण हितैषी भारतीय जीवनशैली

पर्यावरण संरक्षण भारत के लिए कोई नया विषय नहीं है, बल्कि यह हमारी परंपरा और जीवन-पद्धति का हिस्सा रहा है। इसका प्रमाण हमारी धार्मिक गतिविधियों, परंपराओं, रीति-रिवाजों और दैनिक जीवन के व्यवहार में स्पष्ट रूप से दिखाई देता है। भारतीय संस्कृति पृथ्वी को केवल भौतिक संसाधन नहीं मानती, बल्कि उसे मां के रूप में पूजती है। जंगल, वन्यजीव, वनदेवता और प्रकृति के विभिन्न स्वरूप हमारी प्राचीन सभ्यताओं तथा धार्मिक मान्यताओं में महत्वपूर्ण स्थान रखते हैं। इन मान्यताओं के कारण अनेक पौधों और पशु-पक्षियों को धार्मिक आस्था से जोड़कर संरक्षण प्रदान किया जा रहा है। जैसे पीपल, नीम, केला तथा अन्य अनेक वृक्षों को पूजनीय माना गया है। प्राचीन काल से ही ऐसे वृक्ष मंदिरों और धार्मिक स्थलों पर लगाए जाते रहे हैं। इसी प्रकार अनेक पशु-पक्षियों को भी धार्मिक मान्यताओं के कारण विशेष सम्मान प्राप्त है। अधिकांश हिंदू देवी-देवताओं को किसी न किसी पशु या पक्षी के साथ दर्शाया गया है। ये मानव और प्रकृति के गहरे संबंध को भी व्यक्त करते हैं। यह सब दर्शाता है कि जंगल, पृथ्वी, आकाश, जल, वायु और अग्नि जैसे प्राकृतिक तत्व हमारी सभ्यता, संस्कृति और जीवन-दर्शन का अभिन्न अंग रहे हैं।

भारतीय पर्यावरण संरक्षण का दृष्टिकोण केवल व्यवहार तक सीमित नहीं है, बल्कि यह सामाजिक, धार्मिक और नैतिक मूल्यों से भी गहराई से जुड़ा हुआ है। यही परंपरा पर्यावरण संरक्षण के

क्षेत्र में भारत को विश्व के अन्य देशों से अलग पहचान प्रदान करती है और प्रकृति के साथ हमारी एक टिकाऊ तथा संतुलित संबंध स्थापित करती है। यह भावना लोगों के संस्कारों और जीवनशैली में रची-बसी है, जिसे वे पीढ़ी-दर-पीढ़ी निभाते चले आ रहे हैं। वेद मानवता की ज्ञान-परंपरा के सबसे प्राचीन ग्रंथों हैं। इनमें भौतिक और आध्यात्मिक दोनों प्रकार के विषयों का वर्णन मिलता है। इस दृष्टि से वेद समग्र ज्ञान के स्रोत हैं। उगते हुए सूर्य, प्रभात की लालिमा, प्रकृति की निस्तब्धता और उसकी मधुरता का जितना सुंदर और संवेदनशील चित्रण वेदों में मिलता है, वैसा उदाहरण विश्व साहित्य में दुर्लभ है। वेदों में जीवन और प्रकृति को एक-दूसरे से गहराई से जुड़ा हुआ माना गया है। वहां प्रकृति केवल भौतिक संसाधन नहीं, बल्कि जीवन की सहचरी और प्रेरणा-शक्ति के रूप में प्रस्तुत है। यही कारण है कि वेद और आधुनिक विज्ञान को परस्पर विरोधी नहीं, बल्कि एक-दूसरे के पूरक के रूप में देखा जा सकता है।

पर्यावरण विज्ञान और जीव विज्ञान, दोनों आधुनिक विज्ञान की महत्वपूर्ण शाखाएं हैं, जिनके अंतर्गत पर्यावरण के भौतिक, रासायनिक और जैविक घटकों के बीच होने वाली पारस्परिक क्रियाओं का अध्ययन किया जाता है। यद्यपि इन वैज्ञानिक विषयों का औपचारिक विकास 20वीं सदी में हुआ, किंतु इनके मूल तत्वों की झलक वैदिक साहित्य और प्राचीन भारतीय चिंतन में भी देखी जा सकती है। पर्यावरण की अवधारणा समय के साथ बदलती रहती है, क्योंकि यह उस समय की सामाजिक, आर्थिक और प्राकृतिक परिस्थितियों पर निर्भर करती है। पर्यावरण संरक्षण अधिनियम, 1986 के अनुसार पर्यावरण में जल, वायु और भूमि के साथ-साथ उनके तथा मानव, अन्य जीवित प्राणियों, पौधों, सूक्ष्मजीवों और संपत्ति के बीच विद्यमान पारस्परिक संबंध भी शामिल हैं। इस परिभाषा के आधार पर कहा जा सकता है कि पर्यावरण के दो प्रमुख घटक हैं- जैविक और अजैविक। जैविक घटकों में मनुष्य, पशु-पक्षी, वनस्पतियां और सूक्ष्मजीव शामिल हैं, जबकि जल, वायु, मिट्टी, प्रकाश और खनिज जैसे तत्व अजैविक घटकों के अंतर्गत आते हैं। आधुनिक विज्ञान को इन परस्पर संबंधों की व्यापकता को समझने में लंबा समय लगा। जबकि वैदिक युग में लोग इसे पहले ही समझ गए थे। कौटिल्य के अर्थशास्त्र में जंगलों और पर्यावरण संरक्षण के संबंध में राजा के कर्तव्यों का उल्लेख मिलता है। इसमें कहा गया है कि शासक का दायित्व केवल जंगलों की रक्षा करना ही नहीं, बल्कि नए वनों की स्थापना और संरक्षण सुनिश्चित करना भी है। सम्राट अशोक ने कुछ विशेष पशुओं की सूची जारी की थी, जिनके शिकार पर प्रतिबंध लगाया गया था।

जब हम एक इंसान के रूप में इस संसार में आते हैं, तो यह हमारे लिए प्रभु के प्रेम को अनुभव करने का अवसर होता है।

- संत राजिन्दर सिंह जी महाराज

स्थान - सावन कृपाल रूहानी मिशन, सावन आश्रम, परम संत कृपाल सिंह जी महाराज चौक, खेमानी रोड, उल्हासनगर-२

देखें सत्संग आस्था चैनल पर हर रोज़ सोम - शनि सुबह ८.२० से ८.४० तक

दल वही, झंडा वही, बदल गई वफादारी

पश्चिम बंगाल में विधानसभा चुनाव के नतीजों के बाद वहां विपक्ष की राजनीति में शुरू हुई उथल-पुथल से फिर यही जाहिर हुआ है कि आज सिद्धांत और विचारधारा की राजनीति के तकाजे पीछे छूट चुके हैं। राज्य में सत्ता से बाहर होने के बाद तृणमूल कांग्रेस बहुस्तरीय मुश्किलों से जूझ रही है।

भाजपा की सरकार बनने के बाद राज्य में कई जगहों पर तृणमूल कांग्रेस के कार्यकर्ताओं से लेकर बड़े नेताओं तक पर प्रत्यक्ष हमले हुए। मगर इस सबके बीच विधानसभा के लिए चुने गए कई विधायकों के अलग होने का फैसला पार्टी के लिए एक बड़ा झटका है। दरअसल, तृणमूल कांग्रेस के अस्सी में से अट्ठावन विधायकों ने अपना अलग गुट बना लिया और उसे विधानसभा में तुरंत मान्यता भी दे दी गई। यों इस बगावत का सिरा तृणमूल के दो विधायकों, ऋतव्रत बनर्जी और संदीपन साहा को पार्टी विरोधी गतिविधियों के आरोप में निष्कासित किए जाने से जुड़ा माना जा रहा है। इसके बाद ऋतव्रत बनर्जी ने अन्य विधायकों का समर्थन जुटाकर अपना अलग गुट बना लिया और खुद को विधानसभा में असली तृणमूल कांग्रेस घोषित कर दिया।

जाहिर है, बीते करीब तीन दशक

की राजनीति में ममता बनर्जी के नेतृत्व वाली तृणमूल कांग्रेस के लिए यह एक मुश्किल वक्त है। इससे हुए नुकसान को कम करने की कोशिश में पार्टी ने राज्य में अपनी सभी समितियों और आनुषंगिक संगठनों को भंग कर दिया, मगर एक साथ इतनी बड़ी संख्या में चुने हुए प्रतिनिधियों का पार्टी छोड़ना तृणमूल कांग्रेस के लिए संभवतः एक बड़ी चुनौती साबित हो सकता है।

हालांकि पार्टी से अलग होने की घोषणा करने वाले विधायकों की संख्या चूंकि दो-तिहाई से ज्यादा है, इसलिए दल-बदल कानून के प्रावधानों का कोई असर नहीं पड़ेगा, लेकिन इससे फिर यही सवाल उठा है कि देश की राजनीति में अवसरों का लाभ उठाने की यह कैसी प्रवृत्ति है, जिसमें जनता के भरोसे का खयाल रखना अब एक गैर-महत्त्वपूर्ण विषय माना जाने लगा है। यह भी विचित्र है कि ऐसी बगावत आमतौर पर अपनी पार्टी के सत्ता से बाहर होने या सरकार बनाने के गणित में कमजोर होने के बाद ही देखी जाती है। पश्चिम बंगाल में तृणमूल कांग्रेस में बगावत को करीब चार साल पहले महाराष्ट्र में शिवसेना की टूट की तरह देखा जा रहा है, जब एकनाथ शिंदे के नेतृत्व में कई विधायकों ने उद्धव ठाकरे से खुद को अलग कर लिया था। उसके बाद आखिरकार पार्टी का नियंत्रण उद्धव ठाकरे से एकनाथ शिंदे के हाथ में चला गया था।

इसमें लोकतांत्रिक अधिकारों की दलील दी जा सकती है, मगर सवाल है कि किसी खास पार्टी के सिद्धांत और उसकी विचारधारा के आधार पर जनता का समर्थन और जीत हासिल करने के बाद अचानक उसे छोड़ देना किस तरह लोकतंत्र को मजबूत करेगा। राजनीति में शुचिता और सिद्धांतों की बुनियाद की अहमियत को कायम रखने के लिए दल-बदल कानून लाया गया था। मगर ऐसा लगता है कि उसके प्रावधानों को भी सिर्फ तकनीकी कसौटी पूरी होने के दायरे में समेट दिया गया है।

हाल के वर्षों में यह प्रवृत्ति तेजी से जोर पकड़ रही है, जिसमें किसी भी कीमत पर सत्ता का सिरा थामने के लिए चुनाव में जीते हुए प्रतिनिधियों को इस बात का खयाल रखना बिल्कुल जरूरी नहीं लग रहा है कि उन्हें जनता ने किन सिद्धांतों, वादों या राजनीति की वजह से चुना था।

रात में जानवरों की आंखें क्यों चमकती हैं?

जरा हट के

अगर आपने कभी रात के अंधेरे में किसी बिल्ली, कुत्ते या हिरण की आंखों को चमकते हुए देखा है, तो शायद एक पल के लिए आपको भी हैरानी हुई होगी. कई बार सड़क पर गाड़ी चलाते समय हेडलाइट की रोशनी में अचानक चमकती आंखें दिखाई देती हैं, जो किसी रहस्य से कम नहीं लगतीं. हालांकि इसके पीछे कोई जादू या अलौकिक शक्ति नहीं, बल्कि प्रकृति द्वारा दिया गया एक अद्भुत वैज्ञानिक तंत्र काम करता है.

जानवरों की आंखों में दिखाई देने वाली इस चमक का कारण एक विशेष परत होती है, जिसे वैज्ञानिक भाषा में टेपिटम लुसिडम कहा जाता है. यह परत आंख की रेटिना के पीछे मौजूद रहती है और कम रोशनी में देखने की क्षमता को बेहतर बनाती है. जब चांदनी, तारों की रोशनी या किसी टॉर्च की किरण जानवर की आंख में प्रवेश करती है, तो उसका कुछ हिस्सा

रेटिना द्वारा ग्रहण कर लिया जाता है. बची हुई रोशनी टेपिटम लुसिडम से टकराकर दोबारा रेटिना की ओर लौटती है. इससे आंख को प्रकाश का उपयोग करने का एक अतिरिक्त अवसर मिलता है और जानवर अंधेरे में भी बेहतर देख पाते हैं.

इंसानों की आंखें क्यों नहीं चमकतीं?

यही वजह है कि रात में सक्रिय रहने वाले कई जानवरों में यह विशेषता देखने को मिलती है. बिल्लियां, कुत्ते, शेर, चीते, हिरण, घोड़े और लोमड़ियां जैसे जानवर अंधेरे में शिकार करने या खुद को सुरक्षित रखने के लिए इस क्षमता का इस्तेमाल करते हैं. कुछ मछलियों, सरीसृपों और पक्षियों में भी यह परत पाई जाती है. वहीं इंसानों की आंखों में टेपिटम लुसिडम नहीं होता, इसलिए हमारी आंखें इस तरह नहीं चमकतीं. दिलचस्प बात यह है कि सभी जानवरों की आंखों की चमक एक जैसी नहीं होती. किसी की आंखें हरे रंग की दिखती हैं, तो किसी की नीली, पीली या लाल.

इसका कारण टेपिटम लुसिडम की संरचना और प्रकाश का कोण होता है. उदाहरण के लिए, बिल्लियों की आंखों में अक्सर हरे या नीले रंग की चमक दिखाई देती है, जबकि हिरणों की आंखें सफेद और कुछ जंगली जानवरों की आंखें लाल रंग की नजर आ सकती हैं.

शाही फिरनी

खाना-खजाना

खट्टे-मीठे और चटपटे दही भल्ले बाजार में खड़े होकर तो आप भी शौक से खाते होंगे, लेकिन आज हम आपको इन्हें घर पर बनाने की सबसे आसान रेसिपी शेयर करने जा रहे है।

सामग्री :

- उड़द की दाल - आधा किलो
- मीठी दही - 2 कप
- हींग - आधा टीस्पून
- अदरक - एक टी स्पून
- हरी मिर्च - 4-6
- धनिया पत्ती - 1 कप
- किशमिश - आधा कप
- अनार दाना - 4 टेबलस्पून
- कश्मीरी लाल मिर्च पाउडर - 2 टीस्पून
- चाट मसाला - 4 टीस्पून
- इमली की चटनी - जरूरत के मुताबिक
- जीरा - 2 टी स्पून (रोस्ट किया हुआ)
- काला नमक - स्वादानुसार
- तेल - जरूरत के मुताबिक

विधि :

सबसे पहले उड़द की दाल लें, और इसे धोकर कम से कम 4 घंटे के लिए पानी में भिगो दें। अब मिक्सर की मदद से इसका पेस्ट बना लें। इसमें हींग डालें और इसे क्रीमी होने तक फेंट लें। दाल के इस पेस्ट में धनिया, भुना जीरा, हरी मिर्च, अदरकस किशमिश और नमक डालकर अच्छे से मिला लें। एक कढ़ाई लेकर अब भल्लों को तेल में डीप फ्राई कर लें। इसके बाद इन्हें एक अलग बर्तन में निकाल लें।

फ्राई किए हुए इन भल्लों को नमक वाले पानी में भिगोकर कुछ देर के लिए रख दें। अब एक घंटे बाद इनका पानी निचोड़कर आप इसके ऊपर मीठी दही, भुना जीरा, इमली की चटनी, अनार दाना, चाट मसाला, गरम मसाला और धनिया पत्ती डालें। बस तैयार हैं आपके टेस्टी दही भल्ले।

चाहिए दोमुंहे बालों से छुटकारा तो कराएं हेयर डस्टिंग

पिछले कुछ समय से हेयर डस्टिंग काफी चलन में है। दरअसल, यह एक खास तरह की तकनीक है, जो आपके बालों के लिए लाभदायक है। बाल बहुत संवेदनशील होते हैं। धूल, मिट्टी, ज्यादा धूप से इनके दोमुंहे होने का खतरा बढ़ जाता है। दोमुंहे बाल किसी भी महिला को पसंद नहीं होते और सब इनसे छुटकारा पाना चाहती हैं। इस समय दोमुंहे बालों से छुटकारा पाने का सबसे अच्छा तरीका है 'हेयर डस्टिंग' कराना। इससे बालों की लंबाई पर कोई फर्क नहीं पड़ता है और आपके बाल भी स्वस्थ रहते हैं।

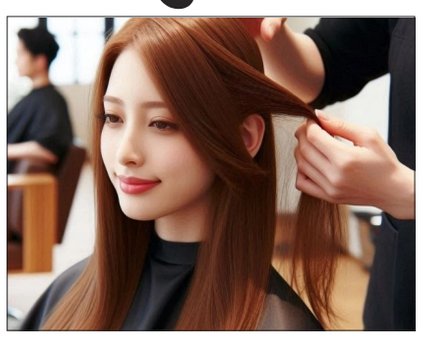

■ क्या है हेयर डस्टिंग

यह एक हेयर कटिंग तकनीक है, जिसमें बालों की लंबाई को बिना ज्यादा कम किए, केवल स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड हिस्सों को हटाया जाता है। सामान्य ट्रिमिंग में जहां दो से तीन इंच बाल काटे जाते हैं, वहीं हेयर डस्टिंग में केवल बालों के सिरे के क्षतिग्रस्त हिस्सों को ट्रिम किया जाता है। इस प्रक्रिया में 'डस्टिंग' शब्द का उपयोग इसलिए किया जाता है, क्योंकि इस तकनीक में हटाए गए बाल बहुत ही कम मात्रा में होते हैं, जैसे कि धूल के कण। अगर आप अपने बालों के लिए हेयर डस्टिंग का विकल्प चुनती हैं तो इससे आपके बालों को कई फायदे मिल सकते हैं।

■ बनी रहती है लंबाई

हेयर डस्टिंग में आपके बालों की लंबाई पर कोई खास असर नहीं पड़ता है। जो महिलाएं अपने बालों को बढ़ाना चाहती हैं, उनके लिए यह उपयुक्त है। हेयर डस्टिंग से स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड बालों को पहले ही हटा दिया जाता है, जिससे वे बालों के शाफ्ट (बालों की तीन परत) तक नहीं पहुंच पाते हैं और इससे बालों के डैमेज या टूटने की आशंका कम हो जाती है।

■ स्वस्थ रहते हैं बाल

हेयर डस्टिंग से आपके बाल अधिक हेल्दी और चमकदार नजर आते हैं। वहीं हेयर डस्टिंग से ओवरऑल हेयर हेल्थ में सुधार होता है, जिससे आपके बाल अधिक स्मूथ और सॉफ्ट नजर आने गलते हैं। साथ ही फ्रिज और उलझने जैसी समस्याओं को भी दूर करने में यह प्रक्रिया आपकी मदद करती है। ऐसा इसलिए होता है, क्योंकि डैमेज और दोमुंहे बाल ही आपके संपूर्ण बालों को अनहेल्दी और फ्रिजी बनाते हैं।

■ क्या है सही प्रक्रिया

हेयर डस्टिंग के लिए सबसे पहले अपने बालों को सीधा करना जरूरी होता है, ताकि स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड हिस्सों को आसानी से देखा जा सके। इसके बाद बालों को छोटे-छोटे हिस्सों में बांट दिया जाता है। फिर हर हिस्से के बालों में स्प्लिट एंड्स और डैमेज्ड बालों की पहचान की जाती है। ऐसा करने से डैमेज्ड बालों की पहचान करना आसान होता है। इसके बाद केवल उन बालों के सिरों को ट्रिम किया जाता है, जो विभाजित या क्षतिग्रस्त होते हैं। यह बहुत ही बारीकी से किया जाता है, ताकि बालों की लंबाई पर असर न पड़े।

यदि आप दोमुंहे बालों की समस्या से परेशान हैं और पार्लर जाने से बचना चाहती हैं तो आप घर पर भी हेयर डस्टिंग कर सकती हैं। इससे आपका समय भी बचता है। हेयर डस्टिंग बालों के साइज और टेक्सचर पर भी निर्भर करती है। वहीं हेयर फॉल से बचाव में भी यह आपकी मदद कर सकता है और बालों को डैमेज होने से रोक सकता है। हेयर डस्टिंग हर तरह के हेयर टाइप के लिए उपयुक्त है। चाहे आपके बाल सीधे हों, लहराते हुए हों या घुंघराले। बालों को स्वस्थ रखने के लिए आपको हेयर डस्टिंग हर 6 से 8 हफ्ते के बीच जरूर करानी चाहिए।

कब कराएं

हेयर डस्टिंग को हर 6-8 सप्ताह में करने की सलाह दी जाती है, खासकर अगर आपके बाल जल्द ही दोमुंहे नजर आने लगते हैं। वहीं जब आपके बाल देखने में ही डैमेज नजर आने लगें तो हेयर डस्टिंग कराएं।

-जया मिश्रा,
मेकअप एंड हेयर स्टाइल एक्सपर्ट

आज का राशिफल

मेष : पुराना रोग परेशानी का कारण बन सकता है। अज्ञात भय सताएगा। वाणी में हल्के शब्दों के प्रयोग से बचें। वैवाहिक प्रस्ताव मिल सकता है। परिवार में सुख-शांति बनी रहेगी। कुसंगति से बचें। चिंता रहेगी। धन प्राप्ति में अवरोध दूर होंगे। कोर्ट में अनुकूलता रहेगी।

वृषभ : शत्रु भय रहेगा। जीवनसाथी के स्वास्थ्य की चिंता रहेगी। शारीरिक कष्ट संभव है। जोखिम व जमानत के कार्य टालें। भूमि व भवन संबंधी खरीद-फरोख्त की योजना बनेगी। आर्थिक उन्नति होगी। व्यवसाय ठीक चलेगा। निवेश शुभ रहेगा।

मिथुन : किसी आनंदोत्सव में भाग लेने का अवसर प्राप्त होगा। यात्रा मनोरंजक रहेगी। विद्यार्थी वर्ग सफलता हासिल करेगा। कारोबार में बुद्धिबल से उन्नति होगी। नौकरी में मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। दुष्टजनों से सावधानी आवश्यक है। चिंता बनी रहेगी।

कर्क : लेन-देन में जल्दबाजी न करें। पुराना रोग उभर सकता है। दु:खद समाचार की प्राप्ति संभव है। किसी के उकसाने में न आएं। बात बिगड़ सकती है। आवश्यक निर्णय सोच-समझकर करें। व्यवसाय ठीक चलेगा। नौकरी में कार्यभार रहेगा।

सिंह : पराक्रम व प्रतिष्ठा में वृद्धि होगी। घर-बाहर पूछ-परख रहेगी। आय में वृद्धि होगी। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। प्रयास सफल रहेंगे। पार्टनरों का सहयोग प्राप्त होगा। निवेश लाभदायक रहेगा। घर में सुख-शांति रहेगी।

कन्या : आय में वृद्धि होगी। कारोबार लाभप्रद रहेगा। दुष्टजन हानि पहुंचा सकते हैं। दूर से शुभ समाचार की प्राप्ति होगी। घर में अतिथियों का आगमन होगा। व्यय बढ़ेगा। आत्मविश्वास में वृद्धि होगी। जोखिम उठाने का साहस कर पाएंगे। निवेश शुभ रहेगा।

तुला : प्रेम-प्रसंग में आशातीत सफलता प्राप्त होगी। व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। अप्रत्याशित लाभ हो सकता है। सट्टे व लॉटरी से दूर रहें। कारोबार का विस्तार होगा। नौकरी में प्रमोशन मिल सकता है। सुख के साधन जुटेंगे। शत्रु परास्त होंगे। भाग्य का साथ मिलेगा।

वृश्चिक : राजभय रहेगा। विवाद को बढ़ावा न दें। लेन-देन में जल्दबाजी हानि देगी। शारीरिक कष्ट संभव है। अप्रत्याशित खर्च सामने आएंगे। व्यवस्था में मुश्किल होगी। दूसरों से अपेक्षा न करें। चिंता तथा तनाव रहेंगे। अनहोनी की आशंका रहेगी।

धनु : व्यावसायिक यात्रा सफल रहेगी। नेत्र पीड़ा हो सकती है। मानसिक बेचैनी रहेगी। बकाया वसूली के प्रयास सफल रहेंगे। लाभ के अवसर हाथ आएंगे। अधिकार प्राप्ति के योग हैं। पार्टनरों का सहयोग मिलेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे।

मकर : राज्य से प्रसन्नता रहेगी। कोई बड़ा काम हो सकता है। नई योजना बनेगी। नया उपक्रम प्रारंभ हो सकता है। सामाजिक कार्य करने का अवसर मिलेगा। प्रतिष्ठा बढ़ेगी। स्वास्थ्य का पाया कमजोर रहेगा। कोई नई समस्या आ सकती है। स्वास्थ्य कमजोर रहेगा।

कुंभ : आंखों को चोट व रोग से बचाएं। धन प्राप्ति सुगम होगी। सुख के साधन जुटेंगे। कारोबार लाभदायक रहेगा। नौकरी में उच्चाधिकारी प्रसन्न रहेंगे। मातहतों का सहयोग प्राप्त होगा। थकान व कमजोरी महसूस हो सकती है। कोर्ट व कचहरी के काम निबटेंगे।

मीन : पुराना रोग उभर सकता है। अनहोनी की आशंका रहेगी। मातहतों से कहासुनी हो सकती है। पार्टनरों से मतभेद संभव है। वाहन व मशीनरी के प्रयोग में सावधानी रखें। दूसरों से अपेक्षा न करें। बनते काम बिगड़ सकते हैं। आय में निश्चितता रहेगी।

-ज्योतिषाचार्य पंडित अतुल शास्त्री

शुगर लेवल को तेजी से बढ़ाते हैं ये 5 फूड

■ डायबिटीज में खाने की कर दी गलती तो बढ़ जाएगी आपकी मुसीबत

डायबिटीज के मरीजों को अपने खानपान का सबसे अधिक ख्याल रखना चाहिए, क्योंकि शुगर लेवल के बढ़ने का खतरा रहता है. आप दिन भर जो भी खाते हैं और जितनी मात्रा में खाते हैं, उससे ब्लड ग्लूकोज लेवल काफी हद तक प्रभावित होता है. जब आप कार्बोहाइड्रेट से भरपूर फूड्स खाते हैं तो वह शरीर में जाकर शुगर में कंवर्ट हो जाता है. वहीं, फाइबर, प्रोटीन, फैट्स भी शरीर में ब्लड शुगर लेवल बढ़ने के लिए जिम्मेदार होते हैं. ऐसे में डायबिटीज होने पर कुछ फूड और ड्रिंक्स के सेवन से बचना चाहिए वरना शुगर लेवल तेजी से हाई हो सकता है.

शुगर वाले पेय पदार्थ- टीओआई में छपी एक खबर के अनुसार, शुगरी ड्रिंक्स, स्क्वैश आदि में एडेड शुगर जैसे सुक्रोज और हाई फ्रुक्टोज कॉर्न सिरप होते हैं. इनका स्वाद भले आपको अच्छा लगता हो, लेकिन ये डायबिटीज के मरीजों के लिए बेहद नुकसानदायक साबित हो सकते हैं. अधिक सेवन से तेजी से शुगर लेवल शरीर में बढ़ता है.

आम- आम का मौसम है और अधिकतर लोगों को आम खाना

पसंद होता है, लेकिन इसमें अत्यधिक मात्रा में फ्रुक्टोज होता है और हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स भी, इसलिए आम अधिक खाने से तेजी से ब्लड शुगर लेवल बढ़ सकता है. खासकर जब आप आम का जूस पीते हैं तो ये सेहत के लिए नुकसानदायक हो सकता है.

शहद- अक्सर शहद को रिफाइंड शुगर की तुलना में अधिक फायदेमंद बताया जाता है, लेकिन शहद में भी फ्रुक्टोज और ग्लूकोज होता है. इसमें मौजूद हाई ग्लाइसेमिक इंडेक्स शुगर लेवल को तेजी से बढ़ा सकता है. ऐसे में बेशक शहद नेचुरल हो, लेकिन इसका सेवन भी कम मात्रा में ही करना चाहिए.

गन्ने का जूस- चाहे आप जूस पिएं या फिर प्रॉसेस्ड शुगर का सेवन करें, गन्ना सुक्रोज में हाई होता है. चूंकि, इसमें शुगर कॉन्टेंट अधिक होता है, इसलिए ये तेजी से शुगर लेवल को बढ़ा देता है. ऐसे में आपको डायबिटीज है तो इससे परहेज ही करें.

स्टार्च से भरपूर सब्जियां- फल और सब्जियां जिनमें मिनरल्स, एंटीऑक्सीडेंट्स, फाइबर होते हैं, वे हेल्दी डाइड का महत्वपूर्ण हिस्सा हैं. लेकिन जब आप शुगर सिरप में प्रॉसेस्ड फल का सेवन करते हैं तो शुगर लेवल अधिक हो सकता है. फल की तुलना में जूस पीने से भी शुगर लेवल बढ़ता है. स्टार्च से भरपूर सब्जियां जैसे आलू, कॉर्न, मटर खाने से भी खून में शुगर लेवल हाई हो सकता है.

अचार के लिए खरीदना है कच्चा आम?

चटपटा, मसालेदार आम का अचार किसी भी खाने के स्वाद को बढ़ा देता है. यही वजह है कि देश के हर कोने में तरह तरह के अचार बनाने की परंपरा चली आ रही है. इसे बनाने के लिए कच्चे आम की जरूरत पड़ती है. इसके लिए खास वैरायटी के आमों को चुना जाता है. ऐसे आम जिनमें रेशा हो और गूदा भी भर कर हो. यह भी ध्यान रहे कि इसकी गुठलियां थोड़ी सॉफ्ट हों जिससे इसे काटा जा सके.

■ छिलकों पर नजर

अचार के लिए ऐसा आम चुनें जिसके छिलके मोटे हों. ऐसे आम अधिक खट्टे होते हैं और इनसे अचार का स्वाद काफी बढ़ जाता है. इन आमों को लंबे समय तक स्टोर करने में भी परेशानी नहीं आती है.

■ साइज जरूर देखें

पकाकर खाए जाने वाले आमों की तुलना में अचार वाले आमों का आकर थोड़ा छोटा और गोल होता है. इन आमों का रंग डीप ग्रीन होता है और ये छूने में भी सख्त होते हैं.

अगर आप ऐसे आम देखें तो आराम से इन्हें खरीद लें.

■ खुशबू का रखें ध्यान

जैसा कि आपको बताया गया कि खट्टे आमों का ही अचार अच्छा बनता है. ऐसे में जब आप उसे खरीदें तो एक बार सूंघकर जरूर देखें कि कहीं इसमें से मीठी खुशबू तो नहीं आ रही. अगर मीठी खुशबू है तो इसे ना खरीदें.

■ रेशे वाले आम खरीदें

रेशे वाले आमों का अचार अच्छा बनता है. इसलिए आप वो आम खरीदें जिसमें भरकर रेशे हों. आप दुकानदार से ऐसे आमों की पहचान कराकर ले सकते हैं. इन बातों का ध्यान में रखकर अगर आप आम खरीदेंगे तो आपका अचार परफेक्ट बनेगा.

उपरोक्त लेखों में दी गई समस्त जानकारियां और सूचनाएं सामान्य मान्यताओं पर आधारित हैं. 'उल्हास विकास' इनकी पुष्टि नहीं करता है. इन पर अमल करने से पहले संबंधित विशेषज्ञ से संपर्क करें.

खबरें गांव की...

आशिक संग मिलकर पति को मारकर बगीचे में दफनाया, 3 महीने बाद खुला राज

शाहजहांपुर. यूपी के शाहजहांपुर से एक सनसनीखेज वारदात का पुलिस ने खुलासा किया है। सेहरामऊ दक्षिणी थाना क्षेत्र के मानपुर मलिकापुर गांव से करीब तीन महीने पहले लापता ओमकार की हत्या कर शव दबा दिया गया था। पुलिस ने मृतक की पत्नी और उसके प्रेमी को गिरफ्तार कर उनकी निशानदेही पर कांट थाना क्षेत्र के ग्राम लिनथरा स्थित बगीचे से शव बरामद किया है। पुलिस के मुताबिक प्रेम प्रसंग में हत्या की साजिश रची गई थी।

पुलिस के अनुसार मानपुर मलिकापुर निवासी ओमकार 23 फरवरी को तिलहर न्यायालय में तारीख पर जाने के लिए घर से निकला था, लेकिन वापस नहीं लौटा। काफी तलाश के बाद उसके भाई सत्यवीर सिंह ने छह मार्च को थाना सेहरामऊ दक्षिणी में गुमशुदगी दर्ज कराई थी। इसके बाद भी युवक का सुराग नहीं लगा। जांच के दौरान परिवार और गांव के लोगों से पूछताछ में कई तथ्य सामने आए। चार जून को मृतक के भाई ने अपहरण की आशंका जताते हुए ओमा भारती और नन्हे के खिलाफ मुकदमा दर्ज कराया। पुलिस ने दोनों को हिरासत में लेकर पूछताछ की तो हत्या का खुलासा हुआ।

एक बंडल बीड़ी और 150 रुपये के लिए दोस्त बना कातिल, पत्थर मारकर मजदूर की हत्या

कानपुर. यूपी के कानपुर से एक सनसनीखेज मामला सामने आया है। जहां महज एक बीड़ी और सौ-डेढ़ सौ रुपये के विवाद में दोस्त ने ही सिर पर पत्थर मारकर साथी मजदूर की हत्या कर दी। मजदूर का रक्तरंजित शव बुधवार रात को मेस्टन रोड पर पड़ा मिला था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ तो उसने वारदात कबूल कर ली।

डीसीपी पूर्वी सत्यजीत गुप्ता ने बताया कि बुधवार को मेस्टन रोड स्थित पूर्व प्रधानमंत्री इंदिरा गांधी की मूर्ति के पास 35 वर्षीय मजदूर का रक्तरंजित शव मिला। स्थानीय लोगों की सूचना पर मूलगंज पुलिस ने फोरेंसिक टीम बुलाकर जांच पड़ताल की। स्थानीय दुकानदारों से पूछताछ करने पर पता चला कि मृतक का नाम विशाल उर्फ रवि था। हालांकि वह कहां का रहने वाला है, इसकी जानकारी नहीं हो सकी। यह जरूर पता चला था कि मजदूरी करता था। पुलिस ने दुकानदार जिलानी बाबू की तहरीर पर हत्या का मुकदमा दर्ज किया था। जांच में पता चला कि एक दिन पहले उसका बाजार के अशर्फी लाल उर्फ बड़बड़िया उर्फ राजू से किसी बात पर विवाद हुआ था। पुलिस ने उसे हिरासत में लेकर पूछताछ कि तो उसने बताया कि राजू ने मंगलवार को उसकी जेब से 100 से 150 रुपये चोरी किए थे। विरोध करने पर गाली-गलौज की। इसलिए मार डाला।

कॉकरोच जनता पार्टी का 5 घंटे प्रदर्शन

- अभिजीत बोले- 5 दिन में शिक्षा मंत्री इस्तीफा दें
- नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर आएंगे

नई दिल्ली. NEET पेपर लीक को लेकर कॉकरोच जनता पार्टी (CJP) ने शनिवार को दिल्ली के जंतर-मंतर पर 5 घंटे प्रदर्शन किया।

CJP फाउंडर अभिजीत दीपके ने कहा कि शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान 5 दिन के अंदर इस्तीफा दें नहीं तो अगले शनिवार फिर जंतर-मंतर पर प्रदर्शन करेंगे।

अभिजीत शनिवार सुबह ही अमेरिका से दिल्ली लौटे थे। वे एयरपोर्ट से सीधे जंतर-मंतर पहुंचे।

सोनम वांगचुक भी प्रदर्शन में शामिल

दिल्ली के जंतर-मंतर में प्रदर्शन अभिजीत दीपके की अगुआई में हुआ था। सोशल एक्टिविस्ट सोनम वांगचुक भी इस प्रदर्शन में शामिल हुए। इसके अलावा CJP के प्रवक्ता आशुतोष रांका भी अभिजीत के साथ नजर आए। आशुतोष IIT कानपुर से पास आउट हैं। पिछले साल ही लंदन से भारत लौटे थे।

1000 से ज्यादा जवान तैनात थे

CJP के प्रदर्शन के मद्देनजर इंदिरा गांधी एयरपोर्ट, मुख्य रेलवे स्टेशन, बस स्टेशन और दिल्ली के बॉर्डर पॉइंट्स पर सुरक्षा बढ़ा दी गई थी। 1000 से ज्यादा पुलिस जवान पहले से तय पॉइंट्स पर तैनात किए गए थे। बाजारों और संवेदनशील इलाकों में कानून व्यवस्था बनाए रखने की हिदायत दी गई थी।

अब आगे क्या

कॉकरोच जनता पार्टी अपनी मांग पर अड़ी है। अभिजीत ने कहा- शिक्षा मंत्री धर्मेंद्र प्रधान इस्तीफा दें।

अभिजीत ने धर्मेंद्र को इस्तीफे के लिए पांच दिन का अल्टीमेटम दिया है।

अगर कॉकरोच जनता पार्टी की बात नहीं मानी जाती है तो 13 जून को जंतर-मंतर पर दोबारा प्रदर्शन किया जाएगा।

मानसून गोवा तक पहुंचा

- केरलम में आज बारिश का रेड अलर्ट
- वायनाड-कासरगोड में स्कूल बंद, ट्रेकिंग पर रोक
- MP-छत्तीसगढ़ देर से पहुंचने का अनुमान

नई दिल्ली. 3 दिन की देरी से आने के बाद मानसून ने रफ्तार पकड़ ली है। केरलम, कर्नाटक, तमिलनाडु को पार कर मानसून गोवा पहुंच गया है। मुंबई में भी इसके जल्द पहुंचने की संभावना है। फिलहाल पणजी, बेंगलुरु, सलेम, पंबन में मानसून के कारण तेज बारिश हो रही है।

वहीं, केरलम में शनिवार को बारिश का रेड अलर्ट रहा. रेड अलर्ट का मतलब है यहां अगले 24 घंटे में 20cm से बहुत ज्यादा बारिश हो सकती है। वायनाड-कासरगोड में स्कूल आज बंद रहेंगे। टूरिस्ट ट्रेकिंग स्पॉट पर जाने, पहाड़ी रास्तों पर रात में ट्रैवलिंग और पत्थर निकालने के काम पर रोक लगा दी गई है।

IMD के मुताबिक 3 दिन में मानसून असम, मेघालय, मिजोरम, त्रिपुरा, मणिपुर, नगालैंड, अरुणाचल और बंगाल के कुछ हिस्सों तक पहुंच सकता है। 10 दिन में यह बिहार, झारखंड और ओडिशा में आ सकता है। हालांकि, बाद में मानसून अटक सकता है।

स्काईमेट वेदर के एक्सपर्ट जीपी शर्मा के मुताबिक एमपी, छत्तीसगढ़, ओडिशा, बंगाल में मानसून को आगे बढ़ाने के लिए बंगाल की खाड़ी में एक मजबूत सिस्टम की जरूरत होती है, जो फिलहाल मौजूद नहीं है। ऐसे में इन राज्यों में मानसून की रफ्तार धीमी पड़ सकती है।

गुजरात को छोड़कर बाकी सभी राज्यों में प्री-मानसून एक्टिव है। राजस्थान, मध्य प्रदेश, उत्तर प्रदेश, दिल्ली, पंजाब, हरियाणा, जम्मू-कश्मीर में भी भारी बारिश हो रही है। इन राज्यों में आज के लिए ऑरेंज अलर्ट जारी किया गया है।

दिल्ली होटल आग हादसा-रसोइया गिरफ्तार

- पुलिस का दावा- बिजली का मेन स्विच बंद किया, जिससे इलेक्ट्रिक दरवाजे लॉक हो गए थे

नई दिल्ली. दिल्ली के मालवीय नगर के फ्लरिश स्टे होटल में आग लगी थी। पुलिस ने हादसे की जांच के लिए होटल के रसोइए केशव नेगी को गिरफ्तार किया है। पुलिस का कहना है कि शुरुआती जांच में पता चला है कि आग रसोइए की लापरवाही से लगी हो सकती है। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक रसोइए केशव ने ही बताया था कि ग्राउंड फ्लोर पर बने रेस्टोरेंट के किचन में बिजली से चलने वाला चूल्हा था। इसमें विस्फोट के बाद ही आग लगी, जो पूरे होटल में फैल गई थी।

पुलिस जांच में ही यह बात सामने आई है कि जब नेगी ने बिजली बंद की तो इससे होटल इलेक्ट्रॉनिक दरवाजे लॉक हो गए। नेगी की लापरवाही के कारण ही कई लोग होटल से बाहर नहीं

निकल पाए।

मालवीय नगर के हौजरानी में फ्लोरिश स्टे B&B' में आग 3 जून को सुबह करीब 8.30 बजे लगी और तेजी से पांच मंजिला संकरी इमारत में फैल गई थी। मरने वालों में 21 लोग शामिल थे। इनमें 13 विदेशी भी थे।

पुलिस का कहना है कि होटल के पास दिल्ली सरकार की 'बेड एंड ब्रेकफास्ट' पॉलिसी के तहत सिर्फ 6 कमरों की इजाजत थी, लेकिन वहां 25 कमरे चल रहे थे, जिनमें से कुछ बेसमेंट में भी बने थे।

मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक आग लगने के बाद होटल का स्टाफ ही सबसे पहले भाग निकला था। जबकि वहां रुके हुए लोग धुएं और आग की लपटों में फंस गए थे। रसोई में बिजली का चूल्हा जलाते ही उसमें विस्फोट हो गया और आग लग गई। केशव ने ही बताया था कि उन्होंने होटल की बिजली का मेन स्विच बंद किया, और घने धुएं के बीच से अपनी जान बचाने के लिए होटल से भाग गए थे।

'फायरिंग मामले में खान सर सरेंडर नहीं करेंगे'

- वकील बोले- अग्रिम जमानत याचिका दायर करेंगे
- FIR गलत; उनकी वजह से गोली नहीं चली

पटना. ग्लोबल स्टडीज के संस्थापक खान सर ने पटना सिविल कोर्ट में सरेंडर नहीं करेंगे। उनके वकील अरविंद कुमार महुआर ने बताया, 'खान सर के सरेंडर करने का कोई चांस नहीं है। उन्हें बेल लेने की जरूरत पड़ सकती है।

मेरे क्लाइंट की वजह से फायरिंग नहीं हुई है। पुलिस ने FIR में कुछ भी लिख रखा है। खान सर ने ऐसा कोई बयान नहीं दिया कि गोली चलाओ में देख लूंगा। जमानत याचिका दायर कर रहे हैं।

शनिवार को कोर्ट में अग्रिम जमानत याचिका दाखिल करने का वक्त खत्म हो गया था। हम लोग सोमवार को इसे दाखिल करेंगे।

खान सर के गार्ड्स प्रदीप और तारकेश्वर की जमानत के लिए प्रथम श्रेणी न्यायिक दंडाधिकारी अनुराग वर्मा की अदालत में याचिका दाखिल की गई है। इस पर सोमवार को सुनवाई होगी।'

पुलिस की छात्रों से अपील- किसी बहकावे में न आएं

शुक्रवार को लॉ-एंड-ऑर्डर को लेकर IG ऑफिस में पुलिस की हाई लेवल मीटिंग हुई। पुलिस ने छात्रों से अपील की थी कि वो किसी कोचिंग सेंटर के बहकावे में ना आएं।।

दरअसल, 2 जून की रात पटना स्थित खान सर की कोचिंग पर हमला हुआ था। घटना के दौरान उनके बॉडीगार्ड्स के फायरिंग किए जाने का वीडियो सामने आया था।

मामले में पुलिस पहले ही दोनों बॉडीगार्ड्स को गिरफ्तार कर जेल भेज चुकी है और खान सर से भी पूछताछ की जा चुकी है।

खान सर पर हत्या की कोशिश, आर्म्स एक्ट में FIR

- टीचर पर हत्या की कोशिश और आर्म्स एक्ट के तहत केस दर्ज किया गया है। पटना पुलिस की 5 गाड़ियां रातभर अलग-अलग वक्त पर खान सर की कोचिंग में पहुंची, लेकिन 24 घंटे बाद भी गिरफ्तार नहीं कर पाई। स्टूडेंट्स भी रातभर कोचिंग के बाहर बैठे रहे।
- पुलिस गाड़ी से बार-बार अनाउंस करती रही- 'हट जाइए, लौट जाइए', लेकिन स्टूडेंट्स रातभर डटे रहे। खान सर को जानने वालों का कहना है कि वो कोचिंग के अंदर ही मौजूद हैं।
- टीचर के गार्ड्स ने पुलिस को बयान दिया- उन्होंने हमें कहा तुम गोली चलाओ, बाकी हम देख लेंगे। इसी आधार पर पुलिस ने खान सर के खिलाफ BNS की धारा 109 के तहत केस दर्ज किया है। इसमें अग्रिम जमानत भी नहीं मिल सकती है।

मोदी कैबिनेट में आ सकते हैं पूर्व कांग्रेस नेता !

- राज्यसभा चुनाव ने बढ़ाया सस्पेंस

राज्यसभा चुनाव के लिए उम्मीदवारों की घोषणा के बाद से ही अटकलों का दौर जारी है। इस दौरान सबसे ज्यादा चर्चा में केंद्रीय मंत्री रवनीत सिंह बिट्टू का नाम न होना और पार्टी महासचिव तरुण चुघ की एंट्री है। इसके साथ ही संकेत मिलने लगे हैं कि जल्द ही प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी कैबिनेट में फेरबदल हो सकते हैं। अटकलें ये भी हैं कि इस बार पंजाब से सुनील जाखड़ को भी मौका दिया जा सकता है।

दो केंद्रीय मंत्री लिस्ट में नहीं

बिट्टू के अलावा भाजपा के उम्मीदवारों की ताजा लिस्ट से मंत्री जॉर्ज कुरियन का नाम भी गायब है। वहीं, नई चुघ और हरियाणा भाजपा प्रभारी सतीश पूनिया को राजस्थान से मौका दिया गया है। पार्टी को अभी कर्नाटक के लिए उम्मीदवार तय करना है और झारखंड में चुनाव लड़ने का फैसला करना है। राज्यसभा की 24 और तीन उपचुनाव वाली सीटों के लिए नामांकन की आखिरी तारीख आठ जून है।

पंजाब कोटे से कौन होंगे मंत्री

बिट्टू का नाम नहीं होने के बाद अटकलें तेज हो गईं हैं कि पंजाब कोटे से सरकार में मंत्री कौन होगा। ट्रिब्यून की रिपोर्ट के अनुसार, चुघ के अलावा भाजपा के पूर्व पंजाब प्रमुख सुनील जाखड़ के नाम की चर्चाएं तेज हो गईं हैं। हालांकि, इसे लेकर पार्टी ने आधिकारिक रूप से कुछ नहीं कहा है। वहीं, नेता की तरफ से भी कोई प्रतिक्रिया नहीं है।

फिलहाल, जाखड़ का नाम भाजपा उम्मीदवारों में शामिल नहीं हैं। रिपोर्ट के अनुसार, सूत्र बताते हैं कि उम्मीदवारों की सूची में नहीं होने के बाद भी जाखड़ के मंत्री पद की संभावनाओं से इनकार नहीं किया जा सकता।

क्या है वजह?

हाल ही में भाजपा ने राज्य में सरदार केवल सिंह ढिल्लों को प्रदेश का अध्यक्ष बनाया है। ऐसे में कहा जा रहा है कि सिख नेता को कमान सौंपे के बाद पार्टी हिंदू चेहरे को कैबिनेट में लाकर संतुलन बनाने की कोशिश कर सकती है। अब इस प्रक्रिया में चुघ और जाखड़ दोनों ही फिट बैठते हैं। रिपोर्ट में सूत्रों के हवाले से बताया गया है कि भाजपा पंजाब से दलित या ओबीसी को भी शामिल कर सकती है।

अन्नामलाई के आंदोलन से 10 लाख लोग जुड़े

- लॉन्चिंग के 10 घंटे के अंदर रजिस्ट्रेशन
- समर्थन में तमिलनाडु BJP उपाध्यक्ष ने भी इस्तीफा दिया

चेन्नई. तमिलनाडु भाजपा के पूर्व अध्यक्ष के अन्नामलाई ने अपने आंदोलन 'इधु नम्मा इयक्कम' को शुरुआत में ही बड़ा जनसमर्थन मिलने का दावा किया गया है। अन्नामलाई के अनुसार, आंदोलन शुरू होने के 10 घंटे के भीतर 10 लाख से ज्यादा लोगों ने रजिस्ट्रेशन कराया है।

अन्नामलाई ने इसे लोगों का आंदोलन बताते हुए कहा कि यह राज्य के भविष्य को लेकर साझा सोच और मिशन का प्रतीक है। उनका कहना है कि पहले इस आंदोलन को खड़ा किया जाएगा, कार्यकर्ताओं को प्रशिक्षित किया जाएगा और बाद में इसे राजनीतिक पार्टी में बदला जाएगा।

अन्नामलाई ने 2 जून को भाजपा की प्राथमिक सदस्यता से इस्तीफा दे दिया था। इसकी चिट्ठी शुक्रवार को सामने आई।

अन्नामलाई के समर्थन में भाजपा के प्रदेश उपाध्यक्ष करु नागराजन ने भी पार्टी से इस्तीफा दे दिया है। उन्होंने पत्रकारों से बातचीत में कहा- मैंने और कई भाजपा नेताओं ने अन्नामलाई का समर्थन करने का फैसला किया है।

अन्नामलाई ने भाजपा से इस्तीफा देने के बाद 5 जून को नई पार्टी बनाने की घोषणा की। सोशल मीडिया पर वीडियो मैसेज में कहा, 'आज हम अपना स्वतंत्र आंदोलन खड़ा कर रहे हैं। हमारी पार्टी तमिलनाडु में 2031 का विधानसभा चुनाव लड़ेगी।'

उन्होंने 'We The Leaders' नाम से नया प्लेटफॉर्म और wetheleader.org वेबसाइट भी लॉन्च की। इसके साथ ही कोयंबटूर में एपीजे अब्दुल कलाम सेंटर फॉर इथिक्स एंड पॉलिटिक्स संस्थान भी स्थापित करने की घोषणा की है। अन्नामलाई कर्नाटक कैडर के आईपीएस अधिकारी रहे हैं।

वैभव सूर्यवंशी भारतीय टीम में चुने गए सबसे युवा क्रिकेटर

- 15 साल, 71 दिन की उम्र में सिलेक्शन हुआ
- श्रेयस टी-20 के नए कप्तान

वैभव सूर्यवंशी भारतीय क्रिकेट टीम में चुने गए अब तक के सबसे युवा खिलाड़ी बन गए हैं। 15 साल, 71 दिन के वैभव को जून-जुलाई में आयरलैंड और इंग्लैंड के खिलाफ टी-20 सीरीज के साथ-साथ सितंबर में होने वाले एशियन गेम्स के लिए चुना गया है। एशियन गेम्स में क्रिकेट के मुकाबले टी-20 फॉर्मेट में ही होते हैं।

श्रेयस अय्यर टी-20 फॉर्मेट में भारत के नए कप्तान बनाए गए हैं। वर्ल्ड कप जीतने वाले सूर्यकुमार यादव से कप्तानी छीन ली गई है। उन्हें टीम से भी बाहर कर दिया गया है। तिलक वर्मा टी-20 टीम के उपकप्तान बनाए गए हैं।

टीम में पहली बार सिलेक्शन होने के दिन सबसे कम उम्र के मामले में वैभव ने शेफाली वर्मा का रिकॉर्ड तोड़ा है। इससे पहले शेफाली पुरुष और महिला क्रिकेट मिलाकर भारतीय टीम के लिए चुनी जाने वाली सबसे युवा खिलाड़ी थीं। शेफाली जब पहली बार चुनी गई थीं, तब वह 15 साल, 220 दिन की थीं। वहीं, पुरुष क्रिकेटर्स में यह रिकॉर्ड सचिन तेंदुलकर के नाम था। सचिन 16 साल, 194 दिन की उम्र में भारतीय टीम में चुने गए थे।

शेफाली ने 15 साल 239 दिन की उम्र में भारत के लिए पहला मैच खेल लिया था। वहीं, सचिन ने 16 साल 205 दिन की उम्र में भारत के लिए डेब्यू किया था। वैभव को अगर इंग्लैंड-आयरलैंड टूर या एशियन गेम्स में एक भी मैच खेलने का मौका मिल जाता है तो वे शेफाली और सचिन दोनों को पीछे छोड़कर भारत के लिए खेलने वाले सबसे युवा क्रिकेटर बन जाएंगे।

दुनिया के सबसे युवा खिलाड़ी नहीं बनेंगे वैभव

जर्सी की निया चार्लोट ग्रेग सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट खेलने वाली क्रिकेटर हैं। उन्होंने 2019 में 11 साल, 40 दिन की उम्र में पहला टी-20 इंटरनेशनल खेला था। उनके नाम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल क्रिकेट में डेब्यू का गिनीज वर्ल्ड रिकॉर्ड दर्ज है। पुरुषों में रोमानिया के मारियन गेरासिम सबसे कम उम्र में इंटरनेशनल डेब्यू करने वाले पुरुष क्रिकेटर हैं।

आयरलैंड और इंग्लैंड दौरे के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, मोहम्मद सिराज, हर्षित राणा, अर्शदीप सिंह और प्रिंस यादव।

एशियन गेम्स के लिए भारतीय टी-20 टीम

श्रेयस अय्यर (कप्तान), तिलक वर्मा (उपकप्तान), वैभव सूर्यवंशी, अभिषेक शर्मा, संजू सैमसन, ईशान किशन, शिवम दुबे, नीतीश कुमार रेड्डी, अक्षर पटेल, वॉशिंगटन सुंदर, रवि बिश्नोई, वरुण चक्रवर्ती, जसप्रीत बुमराह, हर्षित राणा और अर्शदीप सिंह।

पश्चिम एशिया संकट के बीच ऐक्शन में पीएम मोदी

- आर्थिक सलाहकार समिति के साथ बैठक

नई दिल्ली. पश्चिम एशिया में बढ़ते संघर्ष ने पूरे विश्व को ऊर्जा संकट में धकेल दिया है। ऊर्जा के लिए इस क्षेत्र पर निर्भर रहने वाला हमारा देश भी इस आर्थिक संकट से अछूता नहीं है। ऐसे में इस संकट से निपटने के उपायों पर चर्चा करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अपनी आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों के साथ बैठक की। इस बैठक में लोगों के जीवन को बेहतर बनाने और तमाम संकटों के बीच व्यापार को सुचारु रूप से चलाए रखने के लिए विभिन्न सुधारों पर बातचीत हुई।

सूत्रों के मुताबिक, प्रधानमंत्री की अध्यक्षता में हुई इस बैठक में देश की आर्थिक विकास दर को बढ़ाने और बाहरी आर्थिक झटकों से देश को बचाने के ऊपर चर्चा की गई। प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार समिति के सदस्यों ने बदलते वैश्विक परिदृश्य को लेकर भारत की क्या भूमिका हो सकती है और हमारे देश के ऊपर जो आर्थिक प्रभाव पड़ रहे हैं, इनसे कैसे बचा जा सकता है। इसका आकलन प्रस्तुत किया।

बता दें, प्रधानमंत्री की तरफ से आर्थिक सलाहकार समिति की यह बैठक ऐसे समय में बुलाई गई है, जब पूरी दुनिया समेत भारत भी ऊर्जा आयात को लेकर चिंतित है। होर्मुज पर ईरान और अमेरिका के बीच लड़ाई चल रही है, जिसकी वजह से ऊर्जा संकट बढ़ा हुआ है दूसरी तरफ भारत के सबसे बड़े ऊर्जा निर्यातकों में से एक रूस के ऊर्जा भंडारों पर यूक्रेन लगातार हमला कर रहा है। इससे और भी ज्यादा संकट बढ़ने के आसार बन रहे हैं।

प्रधानमंत्री ने हाल ही में अपने भाषणों में भी दुनिया के सामने आने वाले संकट का जिक्र किया था। शुक्रवार को विश्व पर्यावरण दिवस के अवसर पर एक कार्यक्रम को संबोधित करते हुए प्रधानमंत्री मोदी ने कहा कि वर्तमान दशक चुनौतियों से भरा हुआ रहा है। इस पूरे दशक को कोविड-19 महामारी और सैन्य संघर्षों के लिए याद रखा जाएगा।

इससे पहले भी प्रधानमंत्री मोदी ने विदेशी मुद्रा को बचाने के लिए लोगों के विदेश यात्राएं कम करने, सोना कम खरीदने और पेट्रोल डीजल का कम से कम उपयोग करने की अपील की थी। प्रधानमंत्री की इस अपील के बाद कई मंत्रियों और नेताओं ने अपने काफिलों में कमी की थी इसके साथ ही कई लोगों ने अपनी विदेश यात्राओं को भी रद्द कर दिया था।

बंगाल के लोगों को है सुरक्षा की जरूरत

- बीजेपी सरकार पर भड़के अभिषेक बनर्जी

कोलकाता. बंगाल में टीएमसी की करारी हार के बाद टीएमसी में विद्रोह के बीच ममता बनर्जी ने पार्टी में बड़े फेरबदल किए हैं। उन्होंने भतीजे अभिषेक बनर्जी को भी राष्ट्रीय महासचिव के पद पर बरकरार रखा है। इसके अलावा राज्यसभा सांसद डेरेक ओ ब्रायन और डोला सेन को संयुक्त राष्ट्रीय सचिव बनाया है। बीते दिनों अभिषेक बनर्जी पर हुए हमले के बाद ममता बनर्जी उनके साथ नजर आ रही हैं। वहीं अभिषेक बनर्जी ने सोशल मीडिया पर मेसेज शेयर करते हुए कहा कि उन्होंने केंद्र से किसी तरह की सुरक्षा की मांग नहीं की है।

बनर्जी ने कहा, चिंता की बात मेरी सुरक्षा नहीं बल्कि यह है कि पश्चिम बंगाल में पिछले एक ही महीने में रेप और अन्य भयानक अपराध हुए हैं। इनका असर आम नागरिकों पर पड़ रहा है लेकिन सरकार का ध्यान इस ओर बिल्कुल नहीं जा रहा है। सरकार चलाने वालों की प्राथमिकता जनता की सुरक्षा होनी चाहिए।

अभिषेक बनर्जी ने कहा, मैं राज्य और केंद्र सरकार से अपील करता हूं कि वे बंगाल के लोगों की सुरक्षा सुनिश्चित करें और मीडिया के एक धड़े की तरफ से फैलाई जा रही गलत जानकारी को राजनीतिक तूल ना दें। लोग सुरक्षा और जवाबदेही का अधिकार रखते हैं और उन्हें दोनों ही मिलना चाहिए।

ऋतब्रत बनर्जी ने किया था सुरक्षा मांगने का दावा

रिपोर्ट्स के मुताबिक टीएमसी से निष्कासित विधायक ऋतब्रत बनर्जी ने दावा किया था कि अभिषेक बनर्जी हमले के बाद अब सरकार से सुरक्षा मांग रहे हैं। वहीं बता दें कि ईडी ने भी अभिषेक बनर्जी को तलब किया है। प्राइमरी टीचर्स भर्ती मामले में उनसे पूछताछ की जानी है। सिग्नेचर कांड मामले में सीआईडी भी उनसे पूछताछ कर रही है। बुधवार को कालीघाट पुलिस स्टेशन ने अभिषेक बनर्जी के घर के बाहर से सुरक्षा हटा ली थी।

वैष्णो देवी जा रही ट्रेन में हादसा, 2 हिस्सों में बंटी

- 1200 यात्री बाल-बाल बचे

लुधियाना. लुधियाना रेलवे स्टेशन पर वैष्णो देवी जा रही 1200 यात्रियों से भरी ट्रेन का हादसा हो गया। यहां ट्रेन के स्लीपर कोच का टॉयलेट अचानक धमाके जैसी आवाज के साथ टूट गया। जिसके बाद यह कोच अपने साथ वाले डिब्बे से अलग हो गया। धमाके जैसी आवाज सुनते ही यात्रियों में अफरातफरी मच गई। वह डिब्बे से बाहर आ गए।

खुशकिस्मती की बात ये रही कि जिस वक्त हादसा हुआ, ट्रेन लुधियाना से चली ही थी। अगर हाईस्पीड के दौरान यह हादसा होता तो यात्रियों की जान को खतरा हो सकता है। न्यू दिल्ली-श्री माता वैष्णो देवी कटरा स्पेशल (04081) नाम की यह ट्रेन आज (शनिवार) तड़के ढाई बजे के बाद नई दिल्ली से वैष्णो देवी के लिए रवाना हुई। सुबह 8.47 बजे पर यह लुधियाना स्टेशन पर पहुंची।

संक्षेप...

तेज रफ्तार कार गड्ढे में गिरी

पनवेल. पनवेल के तहत आने वाले हरिग्राम के पास तेज रफ्तार से जा रही कार गड्ढे में गिर गई. इस हादसे में किसी को चोट नहीं आई. कार में सवार सभी लोगों को सुरक्षित बाहर निकाला गया. बताया जाता है कि शनिवार 6 जून को दोपहर में उक्त मार्ग से गुजर रही एक कार के ड्राइवर ने कंट्रोल खो दिया, जिसकी वजह से उसकी कार 25 फीट गहरे गड्ढे में गिर गई. एक चश्मदीद ने बताया कि हरिग्राम के पास वाली सड़क घुमावदार होने की वजह से अक्सर वाहन चालक अपने वाहन पर से नियंत्रण खो देती है, जिसकी वजह से इस तरह के हादसे होते हैं. जिसे टालने के लिए उक्त जगह पर स्पीड बंप बनाने की मांग की जा रही है.

महायुति के 6 उम्मीदवार निर्विरोध

विकास कार्यों पर जीत की मुहर | **ठाणे पालघर में जीत के द्वार खुले - DCM एकनाथ शिंदे**

- **एकनाथ शिंदे ने भरोसा जताया कि 17 उम्मीदवार जीतेंगे**

ठाणे. ठाणे-पालघर विधान परिषद चुनाव में महायुति उम्मीदवार रविंद्र फाटक के निर्विरोध चुने जाने से जीत के द्वार खुल गए हैं और यह महायुति की एकता और विकास पर आधारित राजनीति की जीत है, ऐसा डिप्टी सीएम एकनाथ शिंदे ने कहा।ठाणे में पत्रकारों से बातचीत करते हुए शिंदे ने कहा कि ठाणे-पालघर समेत अलग-अलग विधान परिषद सीटों पर महायुति उम्मीदवारों को मिला समर्थन राज्य के लोगों का महायुति में बढ़ते विश्वास का संकेत है। शिवसेना,भाजपा और राष्ट्रवादी कांग्रेस (अजीत पवार ग्रुप) के दो-दो उम्मीदवारों समेत महायुति के छह उम्मीदवार निर्विरोध चुने गए हैं। उन्होंने भरोसा जताया कि आने वाले चुनावों में महायुति के सभी 17 उम्मीदवार जीतेंगे।ठाणे-पालघर सीट पर बिना विरोध के चुनाव की परंपरा बताते हुए शिंदे ने कहा कि स्वर्गीय वसंत डावखरे पहले भी बिना विरोध के चुने गए थे। अगर चुनाव होते भी, तो महायुति के पास साफ़ बहुमत था; लेकिन, सभी के एकमत से लिए गए फ़ैसले की वजह से ठाणे की राजनीतिक परंपरा बनी हुई है।शिंदे ने विपक्ष की आलोचना करते हुए कहा कि महाविकास अघाड़ी में बड़े पैमाने पर मतभेद और गुटबाज़ी सामने आई है। उन्होंने कहा कि कई जगहों पर उम्मीदवारों के नाम वापस लेने से महाविकास अघाड़ी की कमज़ोर स्थिति साफ़ हो गई है। उन्होंने दावा किया कि लोकल बॉडी, असेंबली और अब लेजिस्लेटिव काउंसिल के चुनावों में भी महाविकास अघाड़ी के अंदर की कलह सामने आ गई है।महायुति में तालमेल का उदाहरण देते हुए शिंदे ने कहा कि रायगढ़ में विधायक महेंद्र दलवी,विधायक महेंद्र थोरवे और मंत्री भरत गोगावले ने महायुति उम्मीदवार अनिकेत तटकरे का साथ दिया। पुणे में भी महायुति में तालमेल की वजह से एक उम्मीदवार नाम वापस ले पाया। संभाजीनगर समेत कई जगहों पर शिवसेना उम्मीदवारों के पार्टी हित में नाम वापस लेने से एक बार फिर साबित हो गया है कि महागठबंधन में अच्छा तालमेल है।

ठाणे में शिवराज्याभिषेक समारोह मनाया गया

ठाणे. हिंदवी स्वराज्य के संस्थापक छत्रपति शिवाजी महाराज के राज्याभिषेक दिवस के मौके पर आज, 06 जून, 2026 को ज़िला परिषद ठाणे में शिवस्वराज्य दिवस बड़े जोश और प्रेरणा देने वाले माहौल में मनाया गया। महाराष्ट्र सरकार के निर्देश पर आयोजित इस कार्यक्रम में छत्रपति शिवाजी महाराज की वीरता, दूरदृष्टि और जनकल्याण प्रशासन के काम का गुणगान किया गया।छत्रपति शिवाजी महाराज का राज्याभिषेक 6 जून, 1674 को रायगढ़ किले में हुआ था। स्वराज्य, आत्म-सम्मान, जनकल्याण और अच्छे शासन की शुरुआत करने वाली इस ऐतिहासिक घटना की याद में पूरे राज्य में शिवस्वराज्य दिवस मनाया जाता है। इस संबंध में ज़िला परिषद ठाणे में एक खास कार्यक्रम आयोजित किया गया।

प्रोग्राम की शुरुआत चीफ एग्जीक्यूटिव ऑफिसर रंजीत यादव के दीपक जलाने और छत्रपति शिवाजी महाराज और राजमाता जिजाऊ की तस्वीरों पर फूल चढ़ाने से हुई। इसके बाद, स्वराज्य गुड़ी बनाकर उसकी पूजा की गई।

मुख्य कार्यकारी अधिकारी के अचानक कार्यालय में पहुंचने पर मचा हड़कंप

- **कार्यालय से गायब अधिकारी और कर्मचारियों को नोटिस जारी करने के निर्देश**

ठाणे. ज़िला परिषद कार्यालय में डिसिप्लिन, ज़िम्मेदारी और एफ़िशिएंसी को और मज़बूत करने के मकसद से,मुख्य कार्यकारी अधिकारी रंजीत यादव ने आज ज़िला परिषद ठाणे मुख्यालय का अचानक दौरा किया और अलग-अलग विभाग अधिकारी और कर्मचारियों की उपस्थिति का जांच किया। इस मौके पर मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने अलग-अलग विभाग की अटेंडेंस शीट का इंस्पेक्शन किया और असल में मौजूद अधिकारी और कर्मचारियों को वेरिफ़ाई किया। ऑफ़िस टाइम में गैरहाज़िर या बिना इजाज़त के गैरहाज़िर रहने वाले अधिकारी और कर्मचारियों का अलग रिकॉर्ड रखा गया है और संबंधित लोगों को शो कॉज़ नोटिस जारी करने के निर्देश दिए गए हैं।इंस्पेक्शन के दौरान, अलग-अलग विभाग में काम का रिव्यू किया गया।मुख्य कार्यकारी अधिकारी ने साफ़ किया कि लोगों से मिले एप्लीकेशन, शिकायतों और केस का समय पर निपटारा करना, कार्यालय के काम में बेवजह की देरी से बचना और हर अधिकारी और कर्मचारी को अपनी ज़िम्मेदारियों का सख्ती से पालन करना ज़रूरी है।ज़िला परिषद एक ज़रूरी सिस्टम है जो शिक्षा, हेल्थ, पानी की सप्लाई, महिला और बाल विकास, समाज कल्याण, खेती और अलग-अलग विकास योजनाओं के ज़रिए ग्रामीण इलाकों के लोगों को सीधी सर्विस देता है। इसलिए, उन्होंने यह भी कहा कि अधिकारियों और कर्मचारियों की रेगुलर मौजूदगी और तुरंत सर्विस लोगों के लिए बहुत ज़रूरी है।इस मौके पर, सभी विभाग हेड को अपने डिपार्टमेंट में मौजूदगी, काम की क्वालिटी और पेंडिंग केस का रेगुलर रिव्यू करने के निर्देश दिए गए।

एक ही ट्रैक पर 2 लोकल आ गईं आमने-सामने

पनवेल. पनवेल रेलवे स्टेशन के पास हार्बर लाइन पर रेल यात्रियों की जान से खेलने वाली एक चौंकाने वाली घटना हुई, जब एक ही ट्रैक पर 2 लोकल ट्रेनें आमने-सामने आ गईं, जिससे कुछ देर के लिए यात्रियों में अफरा-तफरी मच गई. अच्छी बात ये रही कि मोटरमैन की सूझबूझ से एक बड़ा हादसा टल गया; लेकिन इस घटना से हार्बर लाइन पर रेल ट्रैफिक पूरी तरह से रुक गया. घटना के बाद कई लोकल ट्रेनें अलग-अलग स्टेशनों के बीच लेट हो गई.

कुछ यात्री तो सीधे ट्रेन से उतरकर पटरियों पर चलने लगे क्योंकि उन्हें रेलवे प्रशासन से कोई साफ जानकारी नहीं मिली. उक्त घटना की वजह से पनवेल जाने वाली लोकल में सवार महिलाओं से लेकर बुजुर्गों तक, सभी को अपनी जान हथेली पर रखकर लोकल से नीचे उतर कर चलना पड़ा.

पडघा इलाके के गोदामों में बाल मजदूरी और विदेशी नागरिकों के काम करने की जांच हो

- **NCP की तरफ से उपमुख्यमंत्री सुनेत्रा पवार को निवेदन**

भिवंडी. भिवंडी तालुका के पडघा इलाके के अलग-अलग गोदामों में नाबालिग बच्चों से काम करवाने और कुछ विदेशी नागरिकों के गैर-कानूनी तरीके से काम करवाने का शक जताते हुए NCP यूथ कांग्रेस के भिवंडी तालुका अध्यक्ष दिलशाद सिकंदर शेख ने राज्य की डिप्टी चीफ मिनिस्टर सुनेत्रा अजीतदादा पवार को एक निवेदन देकर पूरी जांच की मांग की है।

निवेदन के मुताबिक, यह दावा किया गया है कि स्थानीय लोगों से जानकारी मिली है कि पडघा इलाके के कई गोदामों में बड़ी संख्या में मजदूर काम कर रहे हैं और कुछ जगहों पर 18 साल से कम उम्र के बच्चों से काम करवाया जा रहा है। इस तरह के काम चाइल्ड लेबर प्रिवेंशन एक्ट का उल्लंघन करते हैं और इससे संबंधित बच्चों की पढ़ाई, सेहत और भविष्य पर बुरा असर पड़ता है।

इसके अलावा, कुछ मजदूरों की नागरिकता पर भी शक जताया गया है और उनके पहचान पत्र और दूसरे डॉक्यूमेंट्स को वेरिफाई करने की मांग की गई है। यह भी कहा गया है कि एडमिनिस्ट्रेशन को सभी संबंधित वर्कर्स के लीगल डॉक्यूमेंट्स चेक करने चाहिए और फैक्ट्स सामने लाने चाहिए।

निवेदन में यह भी आरोप लगाया गया है कि वर्कर्स को ले जाने के लिए इस्तेमाल की जाने वाली गाड़ियों में कैपेसिटी से ज़्यादा पैसेंजर्स बैठते हैं। यह भी मांग की गई है कि संबंधित गाड़ियों के लाइसेंस, फिटनेस सर्टिफिकेट, इंश्योरेंस और दूसरे ज़रूरी नियमों का पालन हो रहा है या नहीं, इसकी भी जांच की जाए।

दिलशाद शेख ने एडमिनिस्ट्रेशन से जो मुख्य मांगें की हैं, उनमें पडघा इलाके के सभी गोदामों का इंस्पेक्शन, वर्कर्स की पहचान और डॉक्यूमेंट्स का वेरिफिकेशन, अगर कोई विदेशी नागरिक गैर-कानूनी तरीके से रहता या काम करता पाया जाता है तो कानूनी कार्रवाई, वर्कर्स को ले जाने वाली गाड़ियों का इंस्पेक्शन, संबंधित कॉन्ट्रैक्टर्स, गोदाम मालिकों और एजेंटों की जांच, और चाइल्ड लेबर, ह्यूमन ट्रैफिकिंग और गैर-कानूनी माइग्रेशन को रोकने के लिए एक स्पेशल टीम का अपॉइंटमेंट शामिल है।

चूंकि मामला गंभीर है, इसलिए एडमिनिस्ट्रेशन को तुरंत ध्यान देना चाहिए और पूरी जांच करनी चाहिए और दोषी पाए जाने वालों के खिलाफ सख्त कार्रवाई करनी चाहिए, दिलशाद सिकंदर शेख ने मांग की है।

'4 बिन ठाणे क्लीन' कैंपेन की शुरूआत

ठाणे. विश्व पर्यावरण दिवस मौके पर, ठाणे मनपा आयुक्त सौरभ राव की मौजूदगी में शहर में एक खास कैंपेन '4 बिन ठाणे क्लीन' शुरू किया। इस कैंपेन का मुख्य मकसद कचरे को सोर्स पर ही अलग करके ज़्यादा असरदार वेस्ट मैनेजमेंट, रीसाइक्लिंग और साइंटिफिक डिस्पोज़ल को बढ़ावा देना है। इस मौके पर उपायुक्त मधुकर बोडके,मुख्य पर्यावरण अधिकारी मनीषा प्रधान,अधिकारी केदार पाटिल सहित मनपा के दूसरे कर्मचारी मौजूद थे।

सुप्रीम कोर्ट के निर्देशों के मुताबिक, यह कैंपेन सॉलिड वेस्ट मैनेजमेंट रूल्स 2026 को असरदार तरीके से लागू करने के लिए चलाया जा रहा है और शहर के हर घर, हाउसिंग सोसाइटी और जगह के लिए कचरे को चार अलग-अलग हिस्सों में अलग करना ज़रूरी कर दिया गया है। इनमें चार तरह का गीला कचरा, सूखा कचरा, सैनिटरी कचरा और स्पेशल केयर कचरा शामिल हैं। गीले कचरे में किचन से निकलने वाला ऑर्गेनिक और खाने का कचरा शामिल है, सूखे कचरे में कागज़, प्लास्टिक, मेटल और रीसायकल होने वाली चीज़ें शामिल हैं। सैनिटरी वेस्ट में डायपर, सैनिटरी नैपकिन जैसी चीज़ें शामिल हैं, जबकि स्पेशल केयर वेस्ट में पुरानी बैटरी, एक्सपायर हो चुकी दवाएँ, सिरिंज, पेट कैन, बल्ब और ट्यूबलाइट जैसी सेंसिटिव चीज़ें शामिल हैं।आयुक्त सौरभ राव ने कहा कि इस कैंपेन के ज़रिए,मनपा वेस्ट कलेक्शन, ट्रांसपोर्टेशन, प्रोसेसिंग और डिस्पोज़ल सिस्टम में और ज़्यादा एफिशिएंसी लाने की कोशिश कर रहा है और लोगों और हाउसिंग सोसाइटियों से इसमें एक्टिवली हिस्सा लेने की अपील की है। उन्होंने साफ़ किया कि मनपा का मकसद सज़ा देने वाली कार्रवाई करना नहीं है, बल्कि लोगों में जागरूकता फैलाकर शहर में सफाई का कल्चर पैदा करके '4 बिन ठाणे क्लीन' कैंपेन को सफल बनाना है।

पाइपलाइन में छेद कर पानी चुराने वाले 2 प्लंबरों पर मामला दर्ज

भिवंडी. निजामपुर शहर महानगरपालिका ने शहर में चल रहे पानी चोरी के एक बड़े खेल का पर्दाफाश करते हुए 2 प्लंबरों के खिलाफ आपराधिक मामला दर्ज कराया है.आरोप है कि दोनों ने महानगर पालिका की मुख्य जलापूर्ति पाइपलाइन में सेंध लगाकर अवैध नल कनेक्शन जोड़ लिया था और लंबे समय से पानी की चोरी कर रहे थे.

प्राप्त जानकारी के अनुसार महानगरपालिका की विशेष जांच टीम ने हांडी कंपाउंड, गली नंबर-5 में छापा मारकर निरीक्षण किया. निरीक्षण में खुलासा हुआ कि आबूजर खान और इकबाल अंसारी नामक 2 प्लंबरों ने बिना किसी अनुमति के पालिका की पाइपलाइन में छेद कर आधा इंच व्यास का अवैध नल जोड़ रखा था. अवैध कनेक्शन से न केवल पानी की चोरी की जा रही थी, बल्कि पाइपलाइन को भी गंभीर नुकसान पहुंचाया गया.पानी चोरी से 12 हजार रुपये और पाइपलाइन क्षतिग्रस्त होने से 20 हजार रुपये मिलकर कुल 32 हजार रुपये की सरकारी क्षति का मामला सामने आया है.

विश्व पर्यावरण दिवस पर ठाणे वन विभाग ने ठाणे ईस्ट में मीठबंदर रोड, स्वामी समर्थ मठ सड़क पर मैंग्रोव प्लांटेशन की पहल की। इस मौके पर वन विभाग अधिकारी मनीष पवार,पर्यावरण प्रेमी डॉ. प्रशांत सिनकर व कर्मचारी बड़ी संख्या में मौजूद थे।

स्कूल बैग व 2 वॉटर प्यूरिफायर वितरित

टिटवाला. स्नेहधारा चैरिटी काउंसिल व फिनब्रोज कैपिटल ने अपनी सामाजिक प्रतिबद्धता के तहत टिटवाला क्षेत्र के बेघर एवं वंचित बच्चों के लिए कार्यरत जीवन संवर्धन फाउंडेशन के सहयोगार्थ एक विशेष सहायता कार्यक्रम आयोजित किया. जिसके तहत दोनों संस्थाओं के स्वयंसेवकों ने समन्वय स्थापित कर जीवन संवर्धन फाउंडेशन के केंद्र में 2 वॉटर प्यूरिफायर और 76 स्कूल बैग वितरित किए.

स्नेहधारा के प्रवक्ता रमीज सैयद ने कहा कि समाज को वापस देना केवल दान का कार्य नहीं, बल्कि हमारी सामाजिक जिम्मेदारी है, जिसे हम गर्व के साथ निभाते हैं. जीवन संवर्धन फाउंडेशन द्वारा किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य को देखकर हमारे स्वयंसेवक बेहद प्रेरित हुए हैं.

आमिर खान 5 जुलाई को गौरी से करेंगे शादी

- **2025 में रिलेशनशिप पब्लिक किया था**

आमिर खान ने गर्लफ्रेंड गौरी स्प्रैट के साथ शादी की खबर को गुरुवार को कन्फर्म कर दिया। आमिर की यह तीसरी शादी होगी।

वैरायटी इंडिया से बात करते हुए उन्होंने कहा, 'मैं इस समय अमेरिका में हूं। शादी की खबर सही है। हमारी शादी 5 जुलाई को होगी।'

कुछ महीने पहले आमिर ने कहा था कि शादी उनकी प्राथमिकता नहीं है और वह गौरी के साथ ऐसे ही खुश हैं, लेकिन अब उनका कहना है कि समय के साथ दोनों की भावनाएं बदल गई हैं।

आमिर ने कहा, 'अब हम दोनों को लगता है कि अपने रिश्ते को अगले पड़ाव पर ले जाने का समय आ गया है।'

उन्होंने आगे कहा, 'गौरी और मैं एक-दूसरे को लेकर सीरियस हैं। हम एक मजबूत रिश्ते में हैं। मेरे दिल में तो मैं खुद को पहले से ही उनका पति मानता हूं। अब इस रिश्ते को शादी का नाम देना हमारे साथ की एक स्वाभाविक अगली शुरुआत है।'

आमिर ने पहली शादी साल 1986 में फिल्म प्रोड्यूसर रीना दत्ता से की थी। साल 2002 में रीना से अलग होने के बाद आमिर ने साल 2005 में डायरेक्टर किरण राव से दूसरी शादी की थी। साल 2021 में किरण और आमिर का तलाक हो गया था।

सैलून आंत्रप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं गौरी स्प्रैट

आमिर ने साल 2025 में अपने 60वें जन्मदिन पर गौरी के साथ अपने रिलेशनशिप को पब्लिक किया था। गौरी बेंगलुरु की रहने वाली एक सैलून आंत्रप्रेन्योर और फैशन प्रोफेशनल हैं। उनके पिता तमिल-ब्रिटिश मूल के और मां पंजाबी-आयरिश मूल की हैं। गौरी 1920 के दशक में भारत के स्वतंत्रता आंदोलन से जुड़े ब्रिटिश कम्युनिस्ट फिलिप स्प्रैट की पोती हैं।

रिक्शा चालकों के लिए स्पेशल ट्रेनिंग क्लास शुरू

महाराष्ट्र माझा, मराठी माझा | **रिक्शा ड्राइवरों के लिए ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट की नई पहल**

ठाणे आरटीओ एरिया में पिछले दो महीनों से एक खास कैंपेन चलाया गया था ताकि ऐसे रिक्शा ड्राइवरों को ढूंढा जा सके जिन्हें मराठी बातचीत की भाषा नहीं आती। इसी के तहत, ऐसे ड्राइवरों के लिए मराठी बातचीत की भाषा की ट्रेनिंग क्लास शुरू की गई हैं। ये क्लास 15 अगस्त तक चलेंगी।

– रोहित काटकर
(डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर ठाणे)

ठाणे. आरटीओ विभाग ने यात्रियों से बातचीत को आसान बनाने, रोज़ाना के लेन-देन में मराठी भाषा का इस्तेमाल बढ़ाने और रिक्शा ड्राइवरों को महाराष्ट्र की भाषाई संस्कृति के करीब लाने के मकसद से एक ज़रूरी कदम उठाया है।

महाराष्ट्र सरकार के ट्रांसपोर्ट डिपार्टमेंट, राज्य मराठी विकास संस्था, कोंकण मराठी साहित्य परिषद और मुंबई मराठी साहित्य संघ के साथ मिलकर ठाणे रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिस में 'महाराष्ट्र माझा, मराठी माझा संवाद भाषा' पहल शुरू की गई।रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर हेमांगिनी पाटिल के गाइडेंस में, ठाणे ज़िले में अमराठी रिक्शा ड्राइवरों के लिए मराठी डायलॉग लैंग्वेज ट्रेनिंग क्लास ऑर्गनाइज़ की जाएंगी। कोंकण मराठी साहित्य परिषद के अनुभवी प्रोफेसरों और टीचरों की गाइडेंस में चार दिन का स्पेशल ट्रेनिंग सेशन चलाया जाएगा, और रिक्शा ड्राइवरों को यात्रियों से विनम्र, असरदार और कॉन्फिडेंट तरीके से मराठी में बातचीत करने की स्किल्स सिखाई जाएंगी।इस ट्रेनिंग में रोज़मर्रा की ज़िंदगी में इस्तेमाल होने वाले सिंटेक्स, कस्टमर्स से बातचीत करने का तरीका, मराठी वोकैबुलरी और भाषा की बेसिक जानकारी दी जाएगी। ट्रेनिंग पूरी होने के बाद, हिस्सा लेने वाले रिक्शा ड्राइवरों के लिए मराठी बातचीत का टेस्ट लिया जाएगा। टेस्ट पास करने वाले ड्राइवरों को सर्टिफिकेट दिए जाएंगे।

ठाणे शहर में अलग-अलग राज्यों से बड़ी संख्या में रिक्शा ड्राइवर काम कर रहे हैं। ऐसे में, यात्रियों और ड्राइवरों के बीच भाषा के अंतर को कम करने के लिए यह पहल ज़रूरी होगी। इससे यात्रियों को बेहतर सर्विस मिलने में मदद मिलेगी और मराठी भाषा का सम्मान करने और उसे फैलाने में भी मदद मिलेगी।

उद्घाटन प्रोग्राम में डिप्टी रीजनल ट्रांसपोर्ट ऑफिसर रोहित काटकर, कोंकण मराठी साहित्य परिषद के प्रदीप धवल, अरुण म्हात्रे, ज्योति ठाकरे, दीपा थानेकर, हर्षला लिखटे और गौतम थोरवे शामिल हुए।

आम सूचना

मैं मोहम्मद आजम गुलाम नबी अंसारी सभी को सूचित कर रहा हूं कि रहने का घर, शिवाजी रोड, शहद रेलवे स्टेशन का पास, उल्हासनगर- 1. (टैक्स नं. 01एओ013949200) उक्त प्रॉपर्टी मेहमूद गुलाब नबी अंसारी के नाम पर है। उन्होंने रिलीज एग्रीमेंट दि. 4.6.2026 सी.नं. 282/2026 द्वारा मुझे दी है। जिस कारण उक्त जायदाद मैं अपने नाम करवाना चाहता हूं। अगर इस जायदाद पर किसी भी व्यक्ति का कोई हक्क वास्ता हो तो वो सारे सबूतों के साथ 7 दिनों के भीतर उपरोक्त दिए गए पत्ते अथवा उल्हासनगर महानगरपालिका के टैक्स विभाग में संपर्क कर सकते हैं। अन्य 7 दिनों के बाद कोई भी व्यक्ति अपना दावा पेश नहीं कर सकता है।

सही/-
मोहम्मद आजम गुलाम नबी अंसारी

यह वृत्तपत्र प्रकाशक, मुद्रक, संपादक **श्री हीरो अशोक बोधा** ने श्री गोपाल प्रेस, ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से छपवाकर ब्लॉक नं. ए-99/593, वेनसी जगनानी मार्ग, इंदिरा गांधी गार्डन के पास, उल्हासनगर- 421001. जिल्हा ठाणे, महाराष्ट्र से प्रकाशित किया. **आर.एन.आई. नं. 43638/85** Email: ulhasvikas@gmail.com संपादकीय-विज्ञापन फोन : 2709099